लखनऊ

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

शुक्रवार, 29 अगस्त, 2025
वर्ष : 11 । अंक: 49
मूल्य : 1 रुपये
पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

मनुष्य कितना भी गोरा क्यों ना हो परंतु उसकी परछाई सदैव काली होती है...!!

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi | NIGHT 26° Low

संक्षेप

दिल्ली पुलिस का 'ऑपरेशन ऑल आउट', मुठभेड़ में लॉरेंस गैंग के दो बदमाश गिरफ्तार; एक के पैर में लगी गोली

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के न्यू अशोक नगर इलाके में बृहस्पतिवार तड़के दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और लॉरेंस बिश्नोई गैंग के बदमाशों के बीच भीषण मुठभेड़ हो गई। दोनों ओर से हुई गोलीबारी के बाद पुलिस ने दो कुख्यात बदमाशों को धर दबोचा। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के पैर में गोली लगी है, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, स्पेशल सेल को खुफिया जानकारी मिली थी कि लॉरेंस गैंग के दो शार्प शूटर किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में न्यू अशोक नगर में मौजूद हैं। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने जाल बिछाकर बदमाशों की घेराबंदी की। खुद को घिरा देख बदमाशों ने पुलिस टीम पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। आत्मरक्षा में स्पेशल सेल ने भी जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान एक गोली बदमाश कार्तिक जाखड़ के पैर में जा लगी, जिससे वह घायल होकर गिर पड़ा। इसके बाद पुलिस ने उसे और उसके दूसरे साथी कविश को गिरफ्तार कर लिया। प्राथमिक जांच में पता चला है कि दोनों बदमाश अमेरिका में बैठे गैंगस्टर हैरी बॉक्सर के गुर्गे हैं और लॉरेंस बिश्नोई गैंग के लिए काम करते हैं। बताया जा रहा है कि हैरी बॉक्सर के खिलाफ भी आधा दर्जन से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस गिरफ्तार बदमाशों से पूछताछ कर उनके मंसूबों और नेटवर्क के बारे में और जानकारी जुटाने में लगी है।

नोएडा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, चार मामलों में गांजा और शराब तस्कर गिरफ्तार

नोएडा। गौतमबुद्धनगर पुलिस ने नशे के कारोबार पर एक के बाद एक बड़ी कार्रवाई करते हुए गांजा व शराब की तस्करी करने वाले कई आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अलग-अलग थानों की टीमें बनाकर गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की और भारी मात्रा में प्रतिबंधित पदार्थ बरामद किए। पहली कार्रवाई में थाना फेस-2 पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस के आधार पर कार्रवाई करते हुए गांजा तस्करी करने वाले आरोपी रोहित सिंह (निवासी गोंडा, वर्तमान पता असगरपुर, सेक्टर-128) को सेक्टर-88 नोएडा से गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से 2 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। इस मामले में थाना फेस-2 में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। दूसरी कार्रवाई में थाना फेस-1 पुलिस ने गांजा तस्कर मानिक चौधरी (निवासी सेक्टर-10 जे.जे. कॉलोनी) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 1 किलो 150 ग्राम गांजा बरामद किया। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत मुकदमा दर्ज हुआ। तीसरी कार्रवाई में थाना बीटा-2 पुलिस ने रियान गोलचक्कर के पास से गांजा बिक्री करने वाले तीन आरोपियों को दबोच लिया। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में शुभम कुमार, साहिल कुमार और विशाल कुमार शामिल हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से कुल 2 किलो 440 ग्राम गांजा और एक इलेक्ट्रॉनिक तराजू बरामद किया। जांच में पता चला कि आरोपी ओडिशा से गांजा सस्ते दामों पर लाकर दिल्ली-एनसीआर में छोटे पैकेट बनाकर बेचते थे।

'बिल पर राष्ट्रपति-राज्यपाल के फैसलों के खिलाफ याचिका दायर नहीं कर सकते राज्य'; केंद्र की दलील

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट से कहा कि राज्य सरकारें उस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका (मामला) नहीं कर सकतीं जो राष्ट्रपति या राज्यपाल ने विधानसभा से पास हुए विधेयकों पर लिया हो, चाहे राज्य यह कहे कि इससे लोगों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन हुआ है।

केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने यह बात चीफ जस्टिस (सीजेआई) बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच जजों की संविधान पीठ के सामने कही। संविधान पीठ में जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस एएस चंदुरकर भी शामिल थे। मेहता ने कहा कि राष्ट्रपति इस बात पर सुप्रीम कोर्ट की राय लेना चाहती हैं कि क्या राज्य सरकारें संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत ऐसी याचिकाएं दायर कर सकती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रपति यह भी जानना चाहती हैं कि संविधान के अनुच्छेद 361 का दायरा क्या है। यह अनुच्छेद कहता है कि राष्ट्रपति या राज्यपाल अपने अधिकारों और कर्तव्यों के निर्वहन के लिए किसी भी अदालत के प्रति जवाबदेह नहीं होंगे।

मेहता ने संविधान पीठ को बताया कि इन सवालों पर पहले भी चर्चा हुई है। लेकिन राष्ट्रपति का मत है कि अदालत की स्पष्ट राय जरूरी है, क्योंकि भविष्य में ऐसा मामला फिर उठ सकता है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 32 के तहत राज्य सरकार की ओर से राष्ट्रपति या राज्यपाल के फैसलों को चुनौती देने वाली याचिका स्वीकार नहीं की जा सकती। न तो कोर्ट ऐसे मामलों में कोई निर्देश दे सकता है और न ही इन फैसलों को अदालत में चुनौती दी जा सकती है।

उन्होंने आगे कहा, अनुच्छेद 32 का उपयोग तब किया जाता है, जब मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होता है। लेकिन सांविधानिक ढांचे में राज्य सरकार खुद मौलिक अधिकार नहीं रखती। राज्य सरकार की भूमिका यह है कि वह अपने नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करे। सॉलिसिटर जनरल ने आठ अप्रैल के उस फैसले का भी जिक्र किया, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अगर राज्यपाल समयसीमा के भीतर विधेयकों पर फैसला नहीं करते तो राज्य सीधे सुप्रीम कोर्ट का रुख कर सकते हैं।

राज्यपाल का छह महीने तक विधेयक लंबित रखना सही नहीं: सीजेआई

इस पर सीजेआई गवई ने कहा कि वह आठ अप्रैल के दो जजों के फैसले पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे, लेकिन यह भी कहा कि राज्यपाल का किसी विधेयक को छह महीने तक लंबित रखना सही नहीं है। मेहता ने जवाब में कहा कि अगर एक सांविधानिक संस्था अपने कर्तव्यों का पालन नहीं करती, तो इसका मतलब यह नहीं कि कोर्ट दूसरी सांविधानिक संस्था को आदेश दे।

इस पर सीजेआई ने कहा, हां, हम समझ रहे हैं कि आप क्या कह रहे हैं। लेकिन अगर यह अदालत ही किसी मामले को 10 साल तक नहीं सुलझाए, तो क्या राष्ट्रपति को कोई आदेश देने का हक होगा? सुनवाई अभी जारी है।

26 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने यह सवाल उठाया था कि अगर कोई राज्यपाल किसी विधेयक पर अनिश्चितकाल तक फैसला नहीं लेता तो क्या अदालत के पास कोई उपाय नहीं रहेगा? क्या राज्यपाल की स्वतंत्र शक्ति के चलते बजट जैसे जरूरी विधेयक भी अटक सकते हैं? शीर्ष कोर्ट ने यह सवाल तब उठाया जब कुछ भाजपा शासित राज्यों ने कहा कि राज्यपाल और राष्ट्रपति को विधेयकों पर फैसला लेने में पूरी स्वतंत्रता होनी चाहिए। इन राज्यों ने यह भी कहा कि कोर्ट हर समस्या का हल नहीं हो सकती।

सुप्रीम कोर्ट अभी राष्ट्रपति की ओर से भेजे गए उस सांविधानिक संदर्भ पर सुनवाई कर रहा है, जिसमें पूछा गया है कि क्या अदालत राज्यपाल और राष्ट्रपति को यह निर्देश दे सकती है कि वे विधानसभा से पारित हुए विधेयकों पर तय समयसीमा में निर्णय लें? मई में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अनुच्छेद 143(1) के तहत सुप्रीम कोर्ट से राय मांगी थी कि क्या अदालत राष्ट्रपति को निर्देश दे सकती है कि वह राज्य विधानसभा से आए विधेयकों पर कब और कैसे फैसला लें।

पेप्सी और मैकडॉनल्ड्स छोड़ो... ट्रंप के टैरिफ पर रामदेव का देसी मंत्र, स्वदेशी अपनाओ, आत्मनिर्भर भारत बनाओ

नई दिल्ली, एजेंसी। योग गुरु स्वामी रामदेव ने भारतीय वस्तुओं पर 50% अमेरिकी टैरिफ लगाने का कड़ा विरोध किया है और अमेरिकी कंपनियों के राष्ट्रव्यापी बहिष्कार का आह्वान किया है। रामदेव ने कहा कि भारतीयों को एप्पल, पेप्सी, मैकडॉनल्ड्स और केएफसी जैसे ब्रांडों के उत्पाद खरीदना बंद कर देना चाहिए। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि इस तरह के बहिष्कार से वाशिंगटन को अपने अनुचित व्यापार उपायों को वापस लेने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। उन्होंने आगे कहा कि भारत को घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देकर, नए रोज़गार सृजित करके और रूस, चीन तथा मध्य पूर्व जैसे देशों के साथ साझेदारी बनाकर इस चुनौती को अवसर में बदलना चाहिए। विनिर्माण, स्वास्थ्य, शिक्षा और पर्यटन के क्षेत्र में एक वैश्विक केंद्र बनने की भारत की

क्षमता पर प्रकाश डालते हुए, रामदेव ने कहा कि दुनिया भारत से जीवन जीने की कला सीखेगी। उनका पूरा बयान यहाँ देखें।

रामदेव की यह टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत से आयात पर टैरिफ को दोगुना करके 50 प्रतिशत तक करने के फैसले के कुछ ही घंटों बाद आई है, जो बुधवार को निर्धारित समय पर लागू हो गया। इससे दो शक्तिशाली लोकतंत्रों के बीच संबंधों को गहरा झटका लगा है, जो हाल के दशकों में रणनीतिक साझेदार बन गए थे। भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद के कारण लगाया गया 25 प्रतिशत का दंडात्मक टैरिफ, दक्षिण एशियाई देश से कई आयातों पर ट्रंप द्वारा पहले लगाए गए 25 प्रतिशत टैरिफ में जोड़ा गया।

बाबा रामदेव ने समझाया टैरिफ से मुकाबले का देसी मंत्र

इस कदम को 'राजनीतिक धौंस, गुंडागर्दी और तानाशाही' बताते हुए, रामदेव ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, 'भारतीय नागरिकों को अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ का कड़ा विरोध करना चाहिए। अमेरिकी कंपनियों और ब्रांडों का पूरी तरह से बहिष्कार किया जाना चाहिए।' रामदेव ने लोगों से पेप्सी, कोका-कोला, सबवे, केएफसी या मैकडॉनल्ड्स आउटलेट्स से अमेरिकी खाद्य उत्पाद खरीदना बंद करने का भी आग्रह किया।

बिहार की जनता होशियार, कटे वोट फिर जोड़े भी जाएंगे : राहुल गांधी

सीतामढ़ी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी गुरुवार को वोटर अधिकार यात्रा के क्रम में सीतामढ़ी पहुंचे। यहां उन्होंने एक जनसभा को संबोधित करते हुए बिहार में एसआरआई के जरिए काटे गए नामों को लेकर चुनाव आयोग को घेरा। उन्होंने कहा कि ये अभी वोट काटे गए हैं लेकिन नए नाम जोड़े भी जाएंगे।

उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि अगर वोट का अधिकार समाप्त हो गया या वोट कट जाएगा तो गरीबों के पास कुछ नहीं बचेगा। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि अभी वोट काटा जा रहा है, उसके बाद राशन कार्ड समाप्त किया जाएगा और उसके बाद जमीन छीन ली जाएगी। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र, हरियाणा

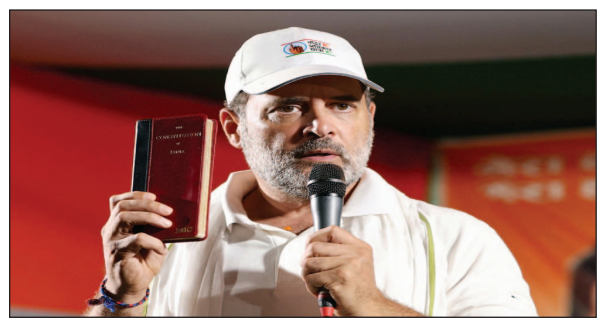

और कर्नाटक में वोट चोरी कर सत्ता में पहुंचे हैं। महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव में हमारे गठबंधन को अधिक सीटें आईं, लेकिन चार महीने बाद हुए विधानसभा चुनाव में हमारा गठबंधन दिखा तक नहीं।

उन्होंने आरोप लगाया कि यहां लाखों नाम जोड़कर वोट चोरी की गई। कांग्रेस नेता ने बिहार में इस यात्रा की शुरुआत करने के उद्देश्य को लेकर कहा कि चुनाव आयोग को यह पता चल जाए कि बिहार की जनता होशियार है। उन्होंने संविधान की चर्चा करते हुए कहा कि आजादी के पहले दलित को अछूत कहा जाता था। आजादी के बाद संविधान के जरिए उन्हें अधिकार दिए गए हैं।

उन्होंने दावा किया कि बिहार की मतदाता सूची से जो 65 लाख नाम काटे गए हैं, उनमें दलित, अति पिछड़ा, अल्पसंख्यक, गरीब, और किसान शामिल हैं, इसमें एक अमीर का नाम नहीं है। ये गरीबों का अधिकार छीनना चाहते हैं।

बता दें कि वोटर अधिकार यात्रा के 12वें दिन की शुरुआत सीतामढ़ी से हुई। गुरुवार को राहुल गांधी जानकी मंदिर पहुंचे और गर्भगृह में जाकर माता की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने जानकी मंदिर में माता के दर्शन किए और पूजा-अर्चना कर देश की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

मोदी जी ट्रंप के सामने झुकिए मत 100प्रतिशत टैरिफ लगाइए, हम साथ हैं : केजरीवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका की तरफ से भारत पर लगाया गया 50 प्रतिशत टैरिफ 27 अगस्त से लागू हो गया है. इस टैरिफ को लेकर बवाल मचा हुआ है. इस बीच आप संयोजक अरविंद केजरीवाल मोदी सरकार को घेरा है। केजरीवाल ने कहा, 'अमेरिका ने 50त्न टैरिफ भारत पर लगाया है। हमें भी कपास पर 11त्न से 50त्न टैरिफ कर देना चाहिए था दूसरों देशों ने यही किया...ट्रंप ने 50त्न टैरिफ लगाया तो हमें 100त्न टैरिफ लगा देना चाहिए था क्या हम कमजोर देश हैं।

अरविंद केजरीवाल ने कहा, 'पिछले दिनों मोदी जी ने ट्रंप के दबाव में ये निर्णय लिया है कि अमेरिका से जो कपास भारत आता है अभी तक उसमें 11 त्न ड्यूटी लगती थी लेकिन अब ये 11 त्न ड्यूटी हटा दी गई है और अब अमेरिका से आने वाली कपास पर कोई ड्यूटी नहीं लगाई जाएगी। ये ड्यूटी केवल 40 दिनों (19 अगस्त से 30 सितंबर तक) तक हटाई गई है। ये देश के किसानों के साथ बहुत बड़ा धोखा है। अब जो अमेरिका से कपास आएगी वो भारत के किसानों के कपास से सस्ती होगी। तो भारत के किसान कहां जाएंगे और किसानों का कपास कौन खरीदेगा।

केजरीवाल ने कहा भारत के किसान और उद्योग को बर्बाद करके अमेरिका के हित साधने की कौन सी मजबूरी है ये ? एजेंडा क्या है? ये सिर्फ़ किसानों का नहीं, भारत के 140 करोड़ लोगों के सम्मान का सवाल है।

रूह कंपा देगी ये वारदात : दादा ने ही पोते की बलि दी, आरी से काटकर लाश के टुकड़े नाले में बहाए

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। संगमनगरी प्रयागराज के करेली इलाके में अंधविश्वास के चलते एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक व्यक्ति ने तांत्रिक के बहकावे में आकर अपने ही रिश्तेदार के 17 वर्षीय बेटे की नृशंस हत्या कर दी। आरोपी ने किशोर की हत्या के बाद उसके सिर और धड़ को अलग-अलग कर शहर के दो अलग-अलग कोनों में फेंक दिया ताकि उसकी पहचान न हो सके। पुलिस ने इस खौफनाक हत्याकांड का खुलासा करते हुए आरोपी रिश्तेदार को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस उपायुक्त (नगर) अभिषेक भारती ने बताया कि आरोपी शरण सिंह मृतक किशोर पीयूष के सगे दादा का भाई है। पूछताछ में उसने जो खुलासा किया, वह बेहद

चौंकाने वाला है। शरण सिंह ने बताया कि उसके बेटे और बेटी ने 2023 और 2024 में आत्महत्या कर ली थी, जिससे वह टूट गया था। इसका कारण जानने के लिए वह एक तांत्रिक के पास गया। तांत्रिक ने उसे बहकाया कि 'वास्तव में तुम्हारे बच्चों की जगह इस लड़के (पीयूष) को मरना था, लेकिन यह नहीं मरा, इसलिए तुम्हारे दोनों बच्चों की जान चली गई। तुम इसे मार दो, सब ठीक हो जाएगा।'

पुलिस के मुताबिक, 11वीं कक्षा का छात्र पीयूष मंगलवार सुबह स्कूल के लिए निकला था, लेकिन वहां पहुंचा ही नहीं। आरोपी शरण सिंह उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया और उसी दिन उसकी हत्या कर दी। उसने आरी से पीयूष के सिर और हाथ-पैर काटे। इसके बाद धड़ को एक साड़ी में लपेटकर स्कूटी से नैनी औद्योगिक क्षेत्र के एक नाले में फेंक दिया, जबकि सिर को करेली के सैदपुर कछार इलाके में छिपा दिया।

मंगलवार को ही पुलिस को नैनी में एक किशोर का बिना सिर का धड़ मिला था, लेकिन शिनाख्त नहीं हो पा रही थी। उधर, पीयूष के घर न लौटने पर उसकी मां कामिनी देवी ने करेली थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। जांच के दौरान पुलिस को एक स्थानीय महिला ने बताया कि उसने एक व्यक्ति को स्कूटी से बोरे में कुछ फेंकते देखा था।

चंडीगढ़-मनाली हाईवे फिर बंद, कंगना रनौत ने जताया दुख

मंडी। हिमाचल प्रदेश के मंडी में भूस्खलन से चंडीगढ़-मनाली नेशनल हाईवे क्षतिग्रस्त हो गया है। पंडोह डैम के पास कैंची मोड़ के निकट हाईवे का एक बड़ा हिस्सा भारी बारिश के कारण धंस गया है। रात भर हुई तेज बारिश ने हाईवे को पूरी तरह तबाह कर दिया, जिससे न तो वाहन और न ही पैदल चलने का रास्ता बचा है। वहीं, इस हादसे पर मंडी की सांसद कंगना रनौत ने दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, मंडी-बनाला के पास हुआ यह भीषण हादसा बेहद दुखद है। पहाड़ धंसने से कई लोग और वाहन मलबे में दबे हो सकते हैं। मैं प्रभावित परिवारों के साथ हूं और प्रशासन से लगातार संपर्क में हूं। राहत कार्य तेजी से चल रहा है। ईश्वर सभी को सुरक्षित रखें और

घायलों के जल्द ठीक होने की प्रार्थना करती हूं। इससे पहले, हाईवे बनाला के पास भूस्खलन से बंद था, जहां भारी वाहनों को 9 मील के पास रोक दिया गया था। हाईवे को आज बनाला में पत्थर हटाकर बहाल करने की योजना थी, लेकिन कैंची मोड़ पर हुए इस नए धंसाव ने मुश्किलें बढ़ा दी हैं। बनाला में पत्थर हटाने का काम पूरा हो गया है, लेकिन कैंची मोड़ की मरम्मत या वैकल्पिक मार्ग बनाने में वक्त लगेगा।

करोड़पति कारोबारी ने पत्नी-बेटे संग दी जान, मौत से पहले व्हाटसएप पर भेजा 36 पेज का सुसाइड नोट

कर्ज के बोझ तले दबे थे, सुसाइड नोट में छलका दर्द

पुलिस ने मामले की जांच शुरू की तो पता चला कि मरने से ठीक पहले शिवांगी ने अपनी मां को व्हाट्सएप पर 36 पेज का एक विस्तृत सुसाइड नोट भेजा था। नोट में लिखा था, मेरी वजह से आप लोग परेशान रहते हैं, अब आप लोग आराम से रहिएगा। इसमें परिवार पर मकान और गाड़ी समेत अन्य चीजों का भारी कर्ज होने और गंभीर आर्थिक परेशानी का जिक्र किया गया है, जिसे आत्महत्या का मुख्य कारण माना जा रहा है।

आर्यावर्त क्रांति

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक 35 वर्षीय करोड़पति कारोबारी ने अपनी पत्नी और 4 साल के मासूम बेटे के साथ आत्महत्या कर ली। इस खौफनाक कदम को उठाने से पहले कारोबारी की पत्नी ने अपनी मां को व्हाट्सएप पर 36 पन्नों का एक सुसाइड नोट भेजा, जिसमें इस सामूहिक आत्महत्या के पीछे की दर्दनाक वजह बयां की गई है।

पॉश इलाके में पसरा मातम, फंदे पर लटके मिले शव

यह दुखद घटना शाहजहांपुर के पॉश इलाके दुर्गा एन्क्लेव की है। बुधवार सुबह जब करोड़पति हैंडलूम कारोबारी सचिन ग्रोवर (35) के घर पर कोई हलचल नहीं हुई, तो ग्राउंड फ्लोर पर रह रहे उनके परिवार को शक हुआ। खिड़की से झांकने पर सचिन और उनकी पत्नी शिवांगी (30) के शव फंदे से लटके दिखे। दरवाजा तोड़ने पर परिवार के होश उड़ गए; सचिन का शव ड्राइंग रूम में, पत्नी शिवांगी का शव बेडरूम में लटका था, जबकि दूसरे कमरे में उनके 4 साल के बेटे फतेह का शव पड़ा मिला। तीनों को फौरन अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पिछली शाम तक हंस-खेल रहा था परिवार

इस घटना से पूरा परिवार और शहर सदमे में है। सचिन की भाभी ज्योति ने बताया, मंगलवार शाम को ही वे लोग बिल्कुल सामान्य थे और अपने बच्चे के साथ खूब मस्ती कर रहे थे। उनमें तनाव का कोई संकेत नहीं था। पता नहीं उन्होंने यह कदम कब, कैसे और क्यों उठा लिया। 8 साल पहले सचिन ने अपनी गर्लफ्रेंड शिवांगी से प्रेम विवाह किया था और उनकी गिनती शहर के सफल कारोबारियों में होती थी। करोड़ों के मकान और दो बड़े शोरूम के मालिक होने के बावजूद कर्ज के बोझ ने पूरे परिवार को खत्म कर दिया। पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर सुसाइड नोट के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

एलओसी के पास घुसपैठ की कोशिश नाकाम, सेना की कार्रवाई में 2 आतंकी ढेर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले के गुरेज सेक्टर में गुरुवार सुबह भारतीय सेना ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आतंकवादियों को मार गिराया। दोनों आतंकवादी भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। सेना की चिनार कॉर्प्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्रवाई जम्मू-कश्मीर पुलिस से मिली खुफिया सूचना के आधार पर की गई। सेना और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में यह सफलता मिली है। सेना के मुताबिक, तैनात सैनिकों ने सीमावर्ती इलाके में संदिग्ध गतिविधियों को भांपा और घुसपैठियों को ललकारा। इसके बाद आतंकियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया। जवाबी कार्रवाई में दोनों आतंकी मारे

गए। हालांकि, क्षेत्र में तलाशी अभियान अब भी जारी है।

गौरतलब है कि अगस्त की शुरुआत में भी अखल क्षेत्र में दो आतंकवादियों को मार गिराया गया था। इसके अलावा, 30 जुलाई को भी सेना ने पुंछ इलाके में लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े दो आतंकियों को ढेर कर दिया था। उसी दिन, सेना ने 'ऑपरेशन शिव शक्ति' की शुरुआत की थी, जो जम्मू-कश्मीर पुलिस और विभिन्न खुफिया एजेंसियों से प्राप्त विश्वसनीय सूचनाओं पर आधारित था। इस ऑपरेशन का उद्देश्य सीमावर्ती इलाकों में छिपे आतंकवादियों की पहचान कर उन्हें खत्म करना है। भारतीय सेना की इन सतर्क कार्रवाइयों से एक बार फिर यह स्पष्ट हो गया है कि देश की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और हर घुसपैठ की कोशिश को करारा जवाब दिया जाएगा।

खतरे के निशान के पास पहुंचा गंगा और यमुना का जलस्तर, राहत शिविरों में बढ़ रही भीड़

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। प्रयागराज में गंगा और यमुना दोनों नदियों का जलस्तर 84 मीटर के पर पहुंच गया है। खतरे का निशान 84.734 पर है। बृहस्पतिवार को सुबह आठ बजे सिंचाई विभाग की ओर से जारी बाढ़ बुलेटिन के अनुसार नैनी में यमुना 84.9 मीटर और फाफामऊ में गंगा 84.39 मीटर पर बह रही हैं। जलस्तर में बढ़ोत्तरी फिलहाल जारी है। बाढ़ का पानी शहर की कई बस्तियों में पहुंच गया है। जिससे लोग पलायन कर रहे हैं। बाढ़ से दो हजार से अधिक परिवार प्रभावित हुए हैं। राहत शिविरों में प्रभावितों की संख्या बढ़ती जा रही है।

नदियों के जलस्तर में वृद्धि के साथ बाढ़ पीड़ितों की संख्या भी बढ़ती जा रही है। करीब तीन दर्जन मोहल्लों

के हजारों परिवार इसकी चपेट में आ गए हैं। प्रशासन के अनुसार, दो हजार से अधिक लोगों को बाढ़ राहत शिविरों में शरण लेनी पड़ी है। शिविरों में पहुंचने का क्रम देर रात तक जारी रहा। अशोक नगर, नेवादा, राजापुर, बेली, सलोरी और बघाड़ा में स्थिति ज्यादा खराब है। बेली और राजापुर समेत कछारी इलाकों के नालों में भी बाढ़ का पानी भर गया है। ऐसे में लोगों के घरों का पानी भी बस्तियों में फैल रहा है। बड़ी संख्या में लोगों ने प्रथम तल पर सामान शिफ्ट कर दिया है। वहीं हजारों लोग पलायन करने के लिए मजबूर हुए हैं। इनके लिए प्रशासन की ओर से भी बाढ़ राहत शिविर खोले गए हैं। बुधवार शाम तक करीब 500 परिवार के दो हजार से अधिक लोग इन शिविरों में शरण ले चुके हैं।

> नदियों के जलस्तर में बढ़ोतरी जारी है। अभी तक की रिपोर्ट के अनुसार बृहस्पतिवार तक वृद्धि के आसार हैं। कई मोहल्लों में बाढ़ की स्थिति गंभीर है। इसे देखते हुए सभी जरूरी इंतजाम किए गए हैं। छह राहत शिविर खोले गए हैं। अन्य में भी तैयारी रखने के निर्देश दिए गए हैं। लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की जा रही है। लोगों की मदद के लिए नावें व मोटरबोट भी लगाए गए हैं।
>
> **- मनीष कुमार वर्मा, डीएम**

एक सप्ताह तक बाढ़ की समस्या बनी रहने की बात कही जा रही है। इसलिए प्रशासन की ओर से बाढ़ में फंसे लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की जा रही है। बुधवार को प्रभावित इलाकों में माइक से लगातार अपील की जाती रही।

सेंट जोसेफ बालिका स्कूल परिसर को बनाया शिविर

मम्फोर्डगंज स्थित सेंट जोसेफ बालिका स्कूल परिसर में भी बड़ी संख्या में बाढ़ पीड़ित पहुंचे। वे इसी विद्यालय में रहने की मांग कर रहे थे। जबकि, लेखपाल का कहना था कि पास में ही स्थित महबूब अली में अभी जगह है। इसलिए लोग पहले वहीं जाएं। इसे लेकर दोपहर से रात तक गतिरोध बना रहा। ऐसे में 50 से अधिक लोग सेंट जोसेफ स्कूल के सामने डटे रहे। रात करीब सवा आठ बजे एसडीएम अभिषेक सिंह पहुंचे और लोगों की मांग को देखते हुए स्कूल खुलवाया। इसके बाद बाढ़ पीड़ितों के लिए वहां रहने एवं खाने की व्यवस्था की गई।

आज तक जलस्तर में बढ़ोतरी के आसार

गंगा एवं यमुना के जलस्तर में बढ़ोतरी जारी है। यह सिलसिला बृहस्पतिवार को भी जारी रहने के आसार हैं। हालांकि, जलस्तर में बढ़ोतरी की रफ्तार में कुछ कमी दर्ज की गई है। शाम चार बजे फाफामऊ में गंगा के जलस्तर में प्रति घंटा 4.25 सेमी और नैनी में यमुना में तीन सेमी की वृद्धि दर्ज की गई।

प्रभावित मोहल्ले व गांव

सदर तहसील में कछार मऊ, मऊ सरैया, राजापुर देह माफी, बघाड़ा, नेवादा, बेली कछार, बेली उपरहार, मेंहदौरी, सलोरी, शिवकुटी, म्योराबाद, दारागंज बाढ़ से प्रभावित हैं। फूलपुर में सोनौटी, बदरा, लीलापुर, धोकरी, करछना में देहली, भगेसर, सोरांव में फाफामऊ, गंगानगर, मेजा में अमिलिया और झरियारी गांव बाढ़ की चपेट में हैं।

कंट्रोल रूम नंबर- 0532-2641577, 0532-2641578, 0532-2641597, 0532-2641598, 1077

मृतक बाइक सवार के पिता ने अज्ञात रोडवेज बस चालक के विरुद्ध दर्ज कराया मुकदमा

ड्रमंडगंज, मीरजापुर। क्षेत्र के दुर्जनीपुर गांव में बीते बुधवार को रोडवेज बस की टक्कर से मृत हुए बाइक सवार युवक के पिता ने अज्ञात रोडवेज बस चालक के विरुद्ध तहरीर देकर विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है।दी गई तहरीर में प्रयागराज जिले कोरांव थाना क्षेत्र के रामपुर कलां गांव निवासी विष्णु प्रसाद मिश्र ने आरोप लगाया कि पुत्र आशीष बुधवार को मोटरसाइकिल से ड्रमंडगंज बाजार जा रहा था। जैसे ही दुर्जनीपुर गांव स्थित मुरारी मोटर गैरेज से आगे पहुंचा तो ड्रमंडगंज की ओर से आ रही रोडवेज बस के चालक ने लापरवाही पूर्वक व तेज गति से बस चलाते हुए बेटे की मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दिया। बस की टक्कर से बेटे आशीष को गंभीर चोटें आ गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने बेटे को उपचार हेतु एंबुलेंस से अस्पताल भिजवाया।

'बहन' से एकतरफा प्यार और शारीरिक संबंध...इस बात का विरोध करने पर मार डाला ; लाश को कमरे में दबाया

आर्यावर्त संवाददाता

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के छपरौली इलाके के गांव में एकतरफा प्यार और शारीरिक संबंध बनाने का विरोध करने पर रिश्ते के चचेरे भाई ने बुधवार दोपहर को 15 वर्षीय किशोरी की सिर में गैस सिलिंडर मारकर और फावड़े से कई वार करके हत्या कर दी। उसका शव कमरे में गड्ढा खोदकर चारपाई के नीचे दबा दिया।

किशोरी की मां ने बताया कि उसके पति की चार माह पहले बीमारी से मौत हो गई थी। तभी से वह अपनी एक बेटी और तीन छोटे बेटों के साथ घर में रह रही है। बुधवार को वह खेत में चारा लेने और तीनों बेटे स्कूल गए थे। वह खेत से लौटी तो बेटी नजर नहीं आई। उसे तलाशती हुई वह खाली कमरे में गई तो वहां चारपाई के नीचे करीब एक फुट गहरे गड्ढे में बेटी का शव मिला।

महिला की सूचना पर पहुंची पुलिस को मृतका के सिर और पैरों में फावड़े के करीब आठ वार मिले। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने खून से सने कपड़ों में जंगल की तरफ भाग रहे किशोर को पकड़कर पूछताछ की, जो मृतका का रिश्ते का चचेरा भाई है।

किशोरी से प्यार करता था आरोपी

एएसपी एनपी सिंह के अनुसार, किशोर ने बताया कि वह किशोरी से प्यार करता था। बुधवार दोपहर वह किशोरी के घर पहुंचा और उससे शारीरिक संबंध बनाने की बात कही। किशोरी ने विरोध करते हुए परिवार वालों से शिकायत करने की धमकी दी।

गैस सिलिंडर सिर में मारा और फिर फावड़े से किए वार

इससे नाराज होकर उसने पहले गैस सिलिंडर सिर में मारा और फिर फावड़े से वार करके किशोरी की हत्या कर दी। शव को कमरे में दबा दिया। पुलिस ने आरोपी 17 वर्षीय किशोर को गिरफ्तार कर गैस सिलिंडर और फावड़ा बरामद किया है।

किशोरी चचेरा भाई मानकर बात करती थी, आरोपी मान बैठा प्यार

हत्या का आरोपी किशोर से मृतक किशोरी अपना चचेरा भाई मानकर बात करती थी, मगर आरोपी उसको प्यार मानने लगा। किशोरी को खुद भी नहीं पता था कि वह उसे प्यार करने लगा। उसे कुछ दिन पहले ही इस बारे में पता चला तो उसने उसे समझाने का प्रयास किया। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने खुद यह बताया।

किशोरी के साथ काफी समय से शारीरिक संबंध बनाना चाहता था आरोपी

उसकी बुधवार की हरकत की शिकायत परिवार वालों से करने की धमकी देने पर उसे गुस्सा आ गया और उसने हत्या कर दी। गिरफ्तार किए गए हत्यारोपी किशोर ने बताया कि वह काफी समय से मृतका से बातचीत करता रहता था और उसके साथ संबंध बनाना चाहता था।

बुधवार दोपहर किशोरी को घर में अकेली देखकर ही वह वहां गया और उसने शारीरिक संबंध बनाने का प्रयास किया, जिसका किशोरी ने विरोध किया और घर जाकर उसके परिवार वालों से शिकायत करने की धमकी देने लगी। उसने किशोरी को समझाया लेकिन वह नहीं मानी। गुस्से में उसने कमरे में रखा छोटा गैस सिलिंडर उठाकर किशोरी के सिर पर मार दिया और वह बेहोश होकर घर में गिर गई। इसके बाद पास में पड़ा फावड़ा उठाकर सिर और पैरों पर कई वार कर हत्या कर दी, जिसका खून उसके कपड़ों पर गिर गया।

बाद में शव को ठिकाने लगाने के लिए एक फुट गहरा गड्ढा खोदकर दबाने लगा, लेकिन तभी किशोरी की मां के आने की आवाज आ गई। इस पर शव के ऊपर डाली गई थोड़ी मिट्टी को छोड़कर भाग निकला।

बेटी घर संभालती तो मां मजदूरी पर चली जाती

मृतका की मां ने बताया कि उसके परिवार में दो बेटी और तीन छोटे बेटे हैं और आर्थिक स्थिति भी ठीक नहीं है। उसके पति ने बड़ी बेटी की शादी कर दी थी। चार माह पहले पति की मौत होने के बाद बच्चों का पालन पोषण की जिम्मेदारी उसके कंधों पर आ गई। इसलिए उसकी बेटी घर संभालने लगी और वह मजदूरी पर चली जाती थी।

डिप्रेशन में अपराधी बन रहे नाबालिग

जिले में हाल ही में कई घटनाएं ऐसी हो चुकी हैं, जिनमें नाबालिगों ने हत्या जैसी घटनाओं को अंजाम दिया और अपराधी बन गए। कुछ दिन पहले टांडा गांव में एक किशोरी ने मदरसे में ही पिटाई होने पर गुस्से में मुफ्ती के 11 माह के बेटे को बेड में बंद कर मार डाला। बिनौली में किशोर ने अपनी छोटी बहन की हत्या कर शव खाली प्लॉट में फेंक दिया था। इस तरह बुधवार को भी नाबालिग ने हत्या कर दी। इस मामले में मनोचिकित्सक डॉ. अजय कुमार का कहना है कि अभिभावकों के ध्यान नहीं देने के कारण बच्चे डिप्रेशन के कारण चिड़चिड़े हो रहे हैं, जो छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा हो जाते हैं। ऐसे में कई बार घटनाएं भी कर देते हैं इसलिए बच्चों के साथ बातचीत करें और उनकी गतिविधियों पर नजर जरूर रखें। अगर उनका व्यवहार गुस्से वाला लगे तो उनकी मनोचिकित्सक से काउंसिलिंग कराएं।

बस्ती में पहुंचा लंबा मगरमच्छ, दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आया पकड़ में, टंगी रही ग्रामीणों की सांसें

मीरजापुर। मगरमच्छ का नाम सुनते ही उसका विशालकाय शरीर बड़ा सा खुंखार जबड़ा ज़ेहन में तैरने लगता है, जिसकी कल्पना मात्र से ही लोग थर-थर कांप जाते हैं। समझ ले कि यदि यही विशालकाय मगरमच्छ सामने दिख जाए तो क्या होगा? कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला है मिर्ज़ापुर जिले के हलिया थाना क्षेत्र के अहुगी कलां गांव के नौडिहवा बस्ती में जहां गुरुवार सुबह तकरीबन छः बजे एक विशालकाय मगरमच्छ दिखाई देने पर ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों के सहयोग से कड़ी मशक्कत के बाद मगरमच्छ को सुरक्षित पकड़कर अदवा जलाशय में छोड़ दिया। अहुगी कलां गांव के नौडिहवा बस्ती निवासी साकर देव के घर के बाहर बंधी बकरियों के लगातार चिल्लाने की आवाज सुनकर उनकी बहु निर्मला ने घर से बाहर निकलकर देखा तो सात फीट लंबा मगरमच्छ दरवाजे के बाहर चहल-कदमी कर रहा था।

यूपी पुलिस भर्ती में फर्जीवाड़ा... म.प्र के 4 ओबीसी युवक सुप्रीम कोर्ट बनकर हुए शामिल, ऐसे खुली पोल

आर्यावर्त संवाददाता

सोनभद्र। यूपी के सोनभद्र जिले में चल रही पुलिस भर्ती प्रक्रिया के दौरान बड़ा फर्जीवाड़ा उजागर हुआ है। भर्ती में शामिल हुए चार युवकों ने नौकरी पाने के लिए फर्जी दस्तावेजों का सहारा लिया, लेकिन पुलिस और प्रशासन की सतर्कता से पूरा खेल बेनकाब हो गया। चारों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार पुलिस भर्ती के दौरान दस्तावेजों का सत्यापन किया जा रहा था।

इसी दौरान चार उम्मीदवारों की असलियत सामने आ गई। चारों युवक मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले के चितरंगी तहसील के निवासी निकले। भर्ती प्रक्रिया में चारों उम्मीदवारों ने खुद को उत्तर प्रदेश का मूल निवासी बताते हुए अनुसूचित जाति का प्रमाणपत्र प्रस्तुत किया,

ताकि आरक्षण का लाभ मिल सके, लेकिन जांच में पाया गया कि चारों आरोपी वास्तव में बैसवार/वैश्य जाति से संबंध रखते हैं, जिन्हें मध्य प्रदेश में ओबीसी वर्ग में गिना जाता है।

उमेश कुमार नामक अभ्यर्थी को लेकर बड़ा खुलासा

जांच के दौरान सबसे बड़ा खुलासा उमेश कुमार नामक अभ्यर्थी को लेकर हुआ। उसने आवेदन पत्र में अपना पता सोनभद्र के घोरावल का दर्शाया और वहीं से जाति प्रमाणपत्र बनवा लिया, जबकि हकीकत में उसका वास्तविक पता मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले के मझिगवा गांव का है। इसी तरह अन्य तीन आरोपी राकेश सिंह, दीपक कुमार और विजय कुमार भी सिंगरौली जिले के ही निवासी पाए गए। दस्तावेजों की गहन जांच में उनकी पूरी सच्चाई सामने आ गई।

पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत कार्रवाई की। चारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए हर स्तर पर कड़ी जांच की जा रही है, ताकि किसी भी तरह की धांधली न हो सके। इस खुलासे के बाद से भर्ती में शामिल अन्य अभ्यर्थियों में भी खलबली मच गई है।

मामले में पुलिस का क्या कहना है?

पुलिस का कहना है कि अब तक सामने आए मामलों से साफ है कि कुछ लोग गलत तरीके से नौकरी पाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन पुलिस और प्रशासन पूरी सतर्कता बरत रहा है और ऐसे लोगों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। यह मामला न सिर्फ भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता का उदाहरण है, बल्कि उन युवाओं के लिए भी चेतावनी है जो गलत रास्ता अपनाकर सरकारी नौकरी पाने का प्रयास कर रहे हैं।

भारतीय मजदूर संघ ने मनाया पर्यावरण दिवस लगाया वृक्ष

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। जनपद में भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश कार्यकारिणी के आह्वान पर प्रत्येक वर्ष के 28 अगस्त को संघ व्यापक स्तर पर मनाता है पर्यावरण दिवस । उसी क्रम में सदर तहसील क्षेत्र के श्याम नगर में भारतीय मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा के अगुआई में वृक्षारोपण किया गया और पर्यावरण संरक्षण के लिए लोगो को जागरूक किया गया मानव जीवन के लिए घातक पालीथीन के प्रयोग ना करने के लिए अवगत कराया गया। इस अवसर पर गिरीश मिश्रा सभासद, अयोध्या प्रसाद वर्मा जिला महामंत्री भाजपा पि०वर्ग, डा०आर०ए०पाण्डेय, आनन्द मिश्रा, राम लखन यादव, देवराज शुक्ल, धर्म देव तिवारी समेत दर्जन भर लोग उपस्थित रहे।

तहसील परिसर में समाजवादी पार्टी का सांकेतिक धरना प्रदर्शन एवं ज्ञापन

आर्यावर्त संवाददाता

लंभुआ/सुलतानपुर। लंभुआ विधानसभा क्षेत्र में समाजवादी पार्टी के संगठन के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा बुधवार को लंभुआ तहसील में खाद की समस्या, महंगाई, बेरोजगारी, बिजली कटौती, वोट चोरी, नहर में पानी आदि समस्याओं के विरोध में लंभुआ कस्बे के हनुमान नगर वार्ड में सैकड़ो की संख्या में एकत्रित सपा कार्यकर्ताओं ने लंभुआ बाजार होते हुए तहसील परिसर तक विरोध प्रदर्शन किया। तहसील परिसर लम्भुआ में पहुंच कर पार्टी कार्यकर्ताओं ने सांकेतिक धरना प्रदर्शन भी किया। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने कोतवाली प्रभारी निरीक्षक संदीप राय की मौजूदगी में उपजिलाधिकारी के नाम राज्यपाल को संबोधित तहसीलदार प्रांजल त्रिपाठी को ज्ञापन देते हुए पढ़ कर सुनाया गया।

सपा नेता बाजीगर वर्मा उर्फ जितेंद्र वर्मा ने कहा कि प्रदेश में

किसान खाद,आघोषित बिजली कटौती, महंगाई, बेरोजगारी जैसी समस्या से परेशान हैं। किसान दिन-रात लाइन में लगने के बाद भी खाद नहीं मिल पा रही है। पूर्व जिला अध्यक्ष पृथ्वीपाल यादव ने कहा कि अगर खाद की उपलब्धता नहीं बढ़ाई गई, बिजली कटौती नहीं रोकी गई और किसानों को राहत नहीं मिली तो पार्टी बड़े पैमाने पर आंदोलन करेगी। इस मौके पर जिला महासचिव सलाउद्दीन सिद्दीकी, प्रदेश सचिव इंद्रसेन शास्त्री, सपा प्रवक्ता धर्मेंद्र सिंह और बबलू, विधानसभा अध्यक्ष सतपाल यादव,अतेंद्र जायसवाल, पूर्व जिला पंचायत सदस्य परमात्मा यादव, राजबली यादव उर्फ काका, हरिकेश यादव समेत सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विंध्याशरण शुक्ल ने माड़ौगढ़ की लड़ाई सुनाकर बाँधा

आर्यावर्त संवाददाता

बल्दीराय/सुल्तानपुर। तहसील क्षेत्र के देहलीबाजार में गुरुवार को आल्हा सम्राट विंध्याशरण शुक्ल ने अपनी ओजपूर्ण वाणी से आल्हा गायन प्रस्तुत कर श्रोताओं को वीररस में डुबो दिया। कार्यक्रम की शुरुआत जिले के भाजपा नेता ओमप्रकाश बजरंगी ने आल्हा गायकों को अंगवस्त्र भेंट कर की। विंध्याशरण शुक्ल निवासी जामो जनपद अमेठी ने जब माड़ौगढ़ की लड़ाई का आल्हा छेड़ा, तो पूरा पंडाल "हर-हर महादेव" के जयघोष से गूँज उठा। श्रोतागण वीररस में भावविभोर होकर देर तक ताली बजाते रहे। कार्यक्रम में प्रधान विशाल शुक्ल, अवधेश शुक्ल, कमला प्रसाद शुक्ल, रमेश विश्वकर्मा, विपिन देहाती, सरदार पाण्डेय सहित सैकड़ों लोगों ने उपस्थिति दर्ज की और लोक धरोहर इस गायन का आनंद लिया। आयोजन समिति की ओर से कृष्ण बिहारी (लल्लू) पाण्डेय और श्याम बिहारी (राजू) पाण्डेय ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

जिस प्रखर गर्ग ने बांके बिहारी कॉरिडोर के लिए 510 करोड़ रुपये दान का दिया शपथपत्र, अब पत्नी सहित गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। बांके बिहारी कॉरिडोर के लिए 510 करोड़ रुपये देने का हलफनामा देने के बाद चर्चा में आए बिल्डर प्रखर गर्ग को पत्नी राखी गर्ग सहित गिरफ्तार कर लिया गया। 1.54 करोड़ रुपये के चेक बाउंस के मामले में आरोपी दंपती के खिलाफ कोर्ट से गैर जमानत वारंट जारी हुए थे। पुलिस ने दोनों को बुधवार को जयपुर से पकड़ा था। दोनों को कोर्ट में पेश किया जहां से जेल भेज दिए गए। पुलिस के मुताबिक, आरोपी दंपती के खिलाफ धोखाधड़ी के 4 मुकदमे थाना हरीपर्वत और कमला नगर में दर्ज हैं। दो दर्जन से अधिक चेक बाउंस के मामले भी हैं। इनमें करोड़ों की धोखाधड़ी के आरोप हैं।

द्वारिकापुरम कॉलोनी, हरीपर्वत निवासी प्रखर गर्ग को ढाई साल पहले भी चेक बाउंस के मामले में वारंट जारी होने पर गिरफ्तार किया गया था। बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर के लिए 510 करोड़ रुपये देने का हलफनामा देने पर मथुरा पुलिस ने आगरा पुलिस से बिल्डर का रिकॉर्ड मांगा था। पुलिस ने रिपोर्ट प्रस्तुत की थी।

बताया था कि प्रखर गर्ग को वर्ष 2022 में जेल भेजा गया था। उसके खिलाफ चेक बाउंस के मामले में कोर्ट से गैर जमानती वारंट जारी हुए थे। तबीयत खराब होने पर प्रखर गर्ग को एसएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। अक्तूबर 2024 में उसके खिलाफ थाना हरीपर्वत और कमला नगर में धोखाधड़ी के मुकदमे दर्ज किए गए। वर्ष 2023 में बैटरी कारोबारी अरुण सोंधी ने प्रखर गर्ग सहित अन्य के खिलाफ 1.54 करोड़ की धोखाधड़ी के मामले में चेक बाउंस का केस दर्ज कराया था। डीसीपी सिटी सोनम कुमार ने बताया कि बिल्डर पर चेक बाउंस का मामला दर्ज था। उसके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी होने पर गिरफ्तारी की गई है। कोर्ट के आदेश पर पति-पत्नी को जेल भेजा गया है।

चेक बाउंस होने पर कोर्ट पहुंचे पीड़ित

डीसीपी सिटी सोनम कुमार के मुताबिक, आरोपी प्रखर गर्ग के खिलाफ वर्ष 2019 से 2023 तक 138 एनआई एक्ट के 21 मामले दर्ज हुए थे। इनमें से कई मामले कोर्ट में विचाराधीन हैं। आरोप लगाए गए थे कि रकम लेने के बाद बाद वापस नहीं की। कई में संपत्ति खरीदकर रकम नहीं देने के आरोप थे। मांगने पर चेक दे दिए। वह बैंक में लगाने पर बाउंस हो गए। इस पर लोगों ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। आरोपी बिल्डर के द्वारिका पुरम स्थित घर पर जनवरी में पुलिस ने नोटिस चस्पा किया था। मुनादी भी कराई थी। बिल्डर ने अक्तूबर 2023 में हाईकोर्ट में वृंदावन के बांके बिहारी कॉरिडोर के लिए 510 करोड़ रुपये देने का प्रस्ताव रखा था। इससे उसे खूब सुर्खियां मिली थीं। पुलिस ने कुंडली खंगाली तो कई मामले एनआई एक्ट के दर्ज मिले। दिसंबर 2024 में उसके घर पर ईडी की टीम ने लखनऊ से आकर छापा मारा था।

बैटरी कारोबारी ने ही दर्ज कराया था धोखाधड़ी का केस

आरोपी बिल्डर प्रखर गर्ग के खिलाफ अक्तूबर 2024 में परिचित बैटरी कारोबारी अरुण सोंधी ने ही धोखाधड़ी का केस दर्ज कराया था। अरुण सोंधी ने बताया कि उन्होंने द्वारिका पुरम कॉलोनी में एक संपत्ति बेची थी। वर्ष 2019 में प्रखर गर्ग ने रजिस्ट्री कराई। इसके एवज में 1.54 करोड़ रुपये के चेक दिए। उन्होंने चेक बैंक में लगा दिए। मगर अगले दिन ही चेक बाउंस हो गए। रकम मांगने पर प्रखर गर्ग उनसे टालमटोल करता रहा।

9 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का आरोप

4 साल बाद उन्होंने केस दर्ज कराया। इसमें 9 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का आरोप लगाया। प्रखर गर्ग के साथ उसकी पत्नी राखी गर्ग, सतीश गुप्ता, सुमित कुमार जैन और मुकेश जैन को नामजद किया। इसमें पुलिस विवेचना कर रही थी। कई लोगों के नाम सामने आए थे। इससे पहले एक मुकदमा वर्ष 2021 में थाना हरीपर्वत में दर्ज हुआ था। इसमें पुलिस विवेचना कर आरोप पत्र कोर्ट में दाखिल कर चुकी है।

पत्नी भी बनाई गई आरोपी

इसमें भी प्रखर गर्ग के साथ उनकी पत्नी राखी और दो अन्य को आरोपी बनाया गया। धोखाधड़ी और रकम हड़पने के आरोप लगाए गए। 138 एनआई एक्ट के मामले में एडीजे-6 की कोर्ट में सुनवाई चल रही है। आरोपी बिल्डर दंपती कोर्ट में हाजिर नहीं हो रहे थे। पुलिस काफी दिन से तलाश में लगी थी। 20 अगस्त को दोनों के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी हुए। अरुण सोंधी ने बताया कि बिल्डर की धोखाधड़ी की वजह से उन्हें काफी नुकसान हुआ। उनका घर तक बिक गया। मुकदमे दर्ज होने पर भी आरोपी ने रकम नहीं लौटाई। धोखाधड़ी के अभी और भी पीड़ित सामने आ सकते हैं।

लखनऊ में तीन दिवसीय रोजगार महाकुंभ संपन्न, 16,897 युवाओं को रोजगार के अवसर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित तीन दिवसीय रोजगार महाकुंभ आज सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। यह आयोजन श्रम एवं सेवायोजन विभाग, बी0सी0एस0 कन्सल्टिंग लिमिटेड और द इकोनोमिक्स टाइम्स की सहभागिता से आयोजित किया गया।इस अवसर पर बतौर विशिष्ट अतिथि सलाहकार, मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश, अवनीश अवस्थी ने कहा कि प्रदेश सरकार की मंशा है कि हर युवा रोजगार से जुड़कर अपना जीवन स्तर ऊँचा उठाए। इसके लिए सरकार देश और विदेश में रोजगार के अवसर तलाश कर युवाओं को उनसे जोड़ रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करना और प्रति व्यक्ति आय बढ़ाना तभी संभव है, जब प्रदेश में अधिक से अधिक फैक्ट्रियां स्थापित हों, अत्याधुनिक तकनीक में सहभागिता बढ़े और हर युवा के हाथों रोजगार हो।सलाहकार मुख्यमंत्री केवी राजू ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन सभी जनपदों में आयोजित होने चाहिए, ताकि स्थानीय युवाओं को अधिक से अधिक लाभ मिल सके और सरकार का विजन "हर युवा को रोजगार" साकार हो।मुख्य सचिव श्रम एवं सेवायोजन एमकेएस सुंदरम ने बताया कि इस महाकुंभ का लक्ष्य दस हजार युवाओं को देश और विदेश में रोजगार उपलब्ध कराना था, लेकिन कुल 16,897 युवाओं को विभिन्न संस्थानों और कंपनियों के माध्यम से चयनित किया गया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन अब प्रदेश के अन्य जनपदों में भी आयोजित किए जाएंगे, जिससे स्थानीय स्तर पर ही रोजगार के अवसर उपलब्ध हो सकें। महिलाओं को भी शिक्षा के अनुसार प्राथमिकता देते हुए रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा।इस अवसर पर निदेशक सेवायोजन नेहा प्रकाश ने कहा कि रोजगार महाकुंभ जैसे कार्यक्रम युवाओं को ऐसा मंच प्रदान करते हैं, जहां रोजगार देने और पाने वाले एक साथ आकर अधिक से अधिक युवाओं के हाथों में रोजगार सुनिश्चित कर सकें।इस कार्यक्रम में अपर निदेशक सेवायोजन प्रमोद पुंडीर, निदेशक बी0सी0एस0 अभिषेक भारती, इकोनोमिक्स टाइम्स से अर्पित गुप्ता सहित अन्य अधिकारी और कंपनियों/संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।रोजगार महाकुंभ के सफल आयोजन से प्रदेश के युवाओं को न केवल अवसर प्राप्त हुए हैं, बल्कि उन्हें अपने कौशल और मेहनत के माध्यम से प्रदेश और देश का नाम रोशन करने का मार्ग भी मिला है।

केशव प्रसाद मौर्य ने खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति–2023 में तेजी लाने के निर्देश दिए

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के तहत स्थापित इकाइयों के थर्ड पार्टी निरीक्षण में तेजी लाने और परियोजना प्रस्तावों पर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश सभी संबंधित अधिकारियों को दिए हैं। उप मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देशित किया कि स्थापित इकाइयों के सब्सिडी प्रकरणों की नियमित समीक्षा की जाए और प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन (PMFME) योजना के क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दिया जाए।केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण आधारित उद्योगों के माध्यम से प्रदेश में अधिक से अधिक पूंजी निवेश आकर्षित किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को उत्कृष्ट कार्य करने पर प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए, ताकि अन्य जिलों में भी अच्छे परिणाम सामने आएं।इसी कड़ी में, अपर मुख्य सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण और रेशम विभाग द्वारा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 और पीएमएफएमई योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पांच मुख्य विकास अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इन अधिकारियों में आगरा की प्रतिभा सिंह, अमेठी के सूरज पटेल, वाराणसी के हिमांशु नागपाल, रामपुर के नंदकिशोर कलाल और मेरठ की नूपुर गोयल शामिल हैं।अपर मुख्य सचिव ने बताया कि इन अधिकारियों ने ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों की आय बढ़ाने के लिए खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में पीएमएफएमई और उद्योग नीति-2023 के तहत समय-समय पर किसानों एवं उद्यमियों के प्रस्तावों का गहन परीक्षण और मार्गदर्शन किया।

किसान को धप्पड़ मारने वाले मामले में एफआईआर दर्ज न होने के कारण किसानों ने एसीपी कार्यालय का घेराव कर प्रदर्शन किया

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र के मिर्जापुर गाँव में हुए थप्पड़ कांड के मामले में एफ़आईआर दर्ज न होने के चलते गुरुवार को सामाजिक संगठनों व किसान नेताओं ने एसीपी कार्यालय पर धरना दिया। उन्होनें कहा कि जब तक नगर निगम जोन-4 के नायब तहसीलदार रत्नेश श्रीवास्तव पर मुकदमा दर्ज नहीं हो जाता तब तक अनवरत धरना प्रदर्शन जारी रहेगा।

उन्होंनें कहा कि 4 दिन बीत जाने के बाद भी एफ आई आर दर्ज न करना पुलिस की कार्यशैली पर सवालिया निसान लगा रहा है। धरना प्रदर्शन में सैकड़ों लोग सामिल रहे।

बता दें राजधानी लखनऊ के मिर्जापुर गांव में बीते 25 अगस्त को एक गरीब किसान राममिलन के साथ हुई बर्बरता का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। नगर निगम के नायब तहसीलदार रत्नेश श्रीवास्तव द्वारा कथित अवैध कब्जा हटाने के दौरान किसान को थप्पड़ मारकर घायल करने और पुलिस द्वारा अभद्रता के बाद भी पीड़ित की FIR दर्ज नहीं की गई। इस घटना से परिजनों और सामाजिक संगठनों में भारी रोष है।

ये था मामला

25 अगस्त को मिर्जापुर गांव में नगर निगम और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई के दौरान नायब तहसीलदार रत्नेश श्रीवास्तव ने किसान राममिलन को जोरदार थप्पड़ मारा, जिससे उनके कान से खून निकलने लगा। पीड़ित की पत्नी माया देवी ने जानवरों के भूसे को हटाने के लिए एक घंटे की मोहलत मांगी थी, जिसे अनसुना कर दिया गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें तहसीलदार और पुलिस कर्मियों की बर्बरता साफ दिखाई दे रही है। घायल राममिलन को परिजनों ने पहले सीएचसी, फिर सिविल अस्पताल और अंत में ट्रामा सेंटर ले जाया गया, जहां रात 1 बजे सरकारी दबाव में उन्हें जबरन डिस्चार्ज कर दिया गया।

घटना के अगले दिन विभिन्न सामाजिक संगठनों ने सुशांत गोल्फ सिटी थाने पर धरना-प्रदर्शन कर FIR दर्ज करने की मांग की। थाना प्रभारी ने शुरू में टालमटोल की और बाद में आला अधिकारियों से चर्चा के बाद FIR दर्ज करने का आश्वासन दिया। 26 अगस्त को ए. सी. पी. ऋषभ रुणवाल ने पीड़ित के परिजनों से तहरीर लेते हुए कड़ी कार्रवाई का वादा किया, लेकिन परिजनों का आरोप है कि ACP ने पुलिसकर्मियों के खिलाफ FIR न दर्ज करने का दबाव बनाया, जिसे उन्होंने ठुकरा दिया। 27 अगस्त को जब पीड़ित का पुत्र FIR की कॉपी लेने थाने पहुंचा, तो उसे यह कहकर लौटा दिया गया कि दो-तीन दिन में जांच के बाद मुकदमा दर्ज होगा। जिसके बाद गुरुवार को किसानों ने एसीपी कार्यालय का घेराव कर प्रदर्शन किया।

गोसाईंगंज एक्सीडेंट में एक की मौत दो घायल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। गोसाईगंज क्षेत्र में रहमतनगर कट के पास हुए एक्सीडेंट में एक की मौत हो गई जबकि मृतक के दो अन्य साथी घायल हो गए।

इंस्पेक्टर गोसाईगंज ब्रजेश कुमार त्रिपाठी के अनुसार गुरुवार को सूचना मिली थी कि रहमतनगर के पास सुल्तानपुर रोड पर बने कट पर एक एक्सीडेंट हो गया है।जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोसाईगंज भिजवाया जहां डॉक्टरों ने मुकेश कुमार मौर्या 40 पुत्र नागेश्वर मौर्या निवासी ग्राम सरेसर जगदीशपुर अमेठी को मृत घोषित कर दिया गया।जबकि गंभीर रूप से घायल हुए सरेसर जगदीशपुर अमेठी के रहने वाले अनिल कुमार मौर्या पुत्र रामेश्वर मौर्या व खाऊपुर जगदीशपुर अमेठी के रहने वाले रामतीर्थ पुत्र गुरुचरण को इलाज के लिए एपेक्स ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया।पुलिस ने मृतक के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

संक्षेप

चिनहट पुलिस ने मोबाइल शोरूम चोरी का किया खुलासा, बाल अपचारी गिरफ्तार

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट के पूर्वी जोन अंतर्गत चिनहट थाना पुलिस ने मोबाइल शोरूम से हुई चोरी की वारदात का सफल अनावरण करते हुए एक बाल अपचारी को अभिरक्षा में लिया है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर चोरी हुए कुल 07 मोबाइल फोन विभिन्न कम्पनियों के चार्जरों सहित बरामद किए हैं।घटना 27 अगस्त को चिनहट क्षेत्र स्थित सुपर मार्ट मोबाइल शोरूम, मटियारी (सेंट्रल बैंक के बगल) में हुई थी। वादी अलतमश खान ने अपने दुकान से मोबाइल फोन व चार्जर चोरी होने की तहरीर दी थी, जिस पर थाना चिनहट में मुकदमा पंजीकृत कर विवेचना उपनिरीक्षक अभिषेक कुमार तिवारी को सौंपी गई।विवेचक ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालते हुए आरोपी की पहचान की और पतारसी-सुरागरसी के आधार पर 28 अगस्त को बीडीएस भट्ठा के पास कच्ची पगडंडी सड़क से बाल अपचारी को अभिरक्षा में ले लिया। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक अभिषेक तिवारी, उपनिरीक्षक विशाल यादव, उपनिरीक्षक कुंवर अभिषेक सिंह तथा कांस्टेबल अर्जुन चौरसिया शामिल रहे।

लखनऊ नगर निगम के श्वान जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्तर पर मिली सराहना

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम द्वारा संचालित श्वानों की जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिल रही है। पीपुल फॉर एनिमल्स की सदस्य और एनिमल बर्थ कंट्रोल मॉनिटरिंग कमिटी की सदस्य गौरी मुलेखी ने नगर निगम के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए X (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा कि लखनऊ नगर निगम ने इस कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से लागू कर अन्य नगर निगमों के लिए मिसाल कायम की है।

माननीय उच्चतम न्यायालय ने भी हाल ही में अपने आदेश में लखनऊ नगर निगम की कार्यप्रणाली की विशेष सराहना की। न्यायालय ने कहा कि श्वानों की बढ़ती संख्या पर नियंत्रण और मानव-श्वान संघर्ष को कम करने में नगर निगम ने उल्लेखनीय कार्य किया है।लखनऊ नगर निगम ने सितंबर 2019 से ह्यूमन वर्ल्ड फॉर एनिमल्स संस्था के सहयोग से श्वान जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम चलाया। यह कार्यक्रम पशु जन्म नियंत्रण नियमावली 2001 और 2023 के प्रावधानों का पालन करते हुए संचालित हो रहा है।

2027 का चुनाव प्रदेश के भविष्य का चुनाव : अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि 2027 का विधानसभा चुनाव उत्तर प्रदेश के भविष्य का चुनाव है। भाजपा लोकतंत्र और संविधान के लिए खतरा है। लोकतंत्र तभी सुरक्षित रह सकता है, जब भाजपा सत्ता से बाहर होगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि भाजपा की साजिशों से सावधान रहें और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करें।अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी को हर बूथ पर बीएलए तैयार करना है। बीएलए लिस्ट पर लगातार काम होता रहना चाहिए। कार्यकर्ताओं को वोट बनवाने, वोट बचाने, वोट डलवाने और वोट गिनवाने जैसे हर काम में सक्रिय रहना होगा।उन्होंने भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार और अव्यवस्था का आरोप लगाते हुए कहा कि हर विभाग में भ्रष्टाचार चरम पर है। अवैध प्लाटिंग का कारोबार फल-फूल रहा है। भाजपा के लोग गरीबों की जमीन, तालाब और सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे कर रहे हैं। भाजपा अब भूमाफिया पार्टी बन गई है। कानून-व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह ध्वस्त है और 'जीरो टॉलरेंस' का दावा सिर्फ नारा बनकर रह गया है।अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में दर्जनों जिलों के सैकड़ों गांव बाढ़ की विभिषिका से जूझ रहे हैं, लेकिन उन्हें कोई मदद नहीं मिल रही है। लोग अन्याय और अत्याचार से परेशान हैं।उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर आबादी के हिसाब से आरक्षण सुनिश्चित होगा, जातीय जनगणना होगी और सामाजिक न्याय का राज स्थापित होगा। समाजवादी सरकार सबको न्याय और सम्मान देगी, किसानों को उनकी फसलों का उचित मूल्य मिलेगा और युवाओं को नौकरी व रोजगार मिलेगा।

उत्तर प्रदेश ने चंडीगढ़ कौशल विकास कॉन्फ्रेंस में पेश किया युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने का मॉडल

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने गुरुवार को चंडीगढ़ में आयोजित केंद्रीय क्षेत्रीय कौशल विकास कॉन्फ्रेंस में उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से प्रतिनिधित्व किया। इस अवसर पर उन्होंने योगी सरकार द्वारा कौशल विकास के क्षेत्र में किए गए नवाचार, उपलब्धियां और भविष्य की योजनाओं का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया।मंत्री अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में "कौशल भारतः कुशल भारत" अभियान नई ऊँचाइयों को छू रहा है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश ने युवाओं को रोजगार योग्य और आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया है। उन्होंने कहा कि योगी सरकार की प्राथमिकता है कि प्रदेश का प्रत्येक युवा न केवल कौशल प्रशिक्षण प्राप्त करे बल्कि अपनी क्षमताओं के बल पर आत्मनिर्भर बनकर "मेक इन इंडिया" और "आत्मनिर्भर भारत" की परिकल्पना को साकार करे।राज्यमंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश ने प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0, राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप प्रमोशन योजना, आईटीआई उन्नयन योजना सहित कई अन्य कार्यक्रमों को जमीनी स्तर पर लागू कर लाखों युवाओं को कौशल प्रशिक्षण और रोजगार उपलब्ध कराया है।इस कॉन्फ्रेंस का उद्देश्य केंद्र और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के बीच सहयोगात्मक एवं अभिसरण आधारित दृष्टिकोण को मज़बूत करना था। कार्यक्रम में स्किल इंडिया कार्यक्रम के बेहतर क्रियान्वयन, उद्योग जगत से गहरे जुड़ाव, शिक्षा और व्यवसाय के एकीकरण, नवोन्मेषी वित्तीय मॉडल, डिजिटल तकनीक के उपयोग और जिला कौशल समितियों एवं जिला कौशल विकास योजनाओं की निरंतरता पर विस्तृत चर्चा हुई।कपिल देव अग्रवाल ने यह भी बताया कि उत्तर प्रदेश ने इन पहलों के माध्यम से यह सुनिश्चित किया है कि प्रदेश के युवा न केवल रोजगार प्राप्त करें, बल्कि अपने कौशल से स्वयं की और प्रदेश की समृद्धि में योगदान दें।

मड़ियांव पुलिस की बड़ी सफलता : चार शातिर नकबजन गिरफ्तार

नाबालिग संरक्षण में, भारी मात्रा में जेवर और नकदी बरामद

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के मड़ियांव थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए बंद मकानों का ताला तोड़कर चोरी करने वाले चार शातिर नकबजन को गिरफ्तार किया है, जबकि एक बाल अपचारी को संरक्षण में लिया गया है। पुलिस ने उनके कब्जे से भारी मात्रा में सोने-चांदी के आभूषण और नकदी बरामद की है। गिरफ्तार आरोपियों में बिहार और लखनऊ के रहने वाले युवक शामिल हैं।

घटना का खुलासा उस समय हुआ जब 28 अगस्त को मड़ियांव पुलिस टीम नियमित गश्त, अपराधियों की तलाश और रोकथाम अभियान के तहत नौबस्ता मोड़ पर मौजूद थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ लोग चोरी का माल लेकर राधा डिग्री कॉलेज के पास बैठे हैं और यदि तुरंत घेराबंदी की जाए तो पकड़े जा सकते हैं। मुखबिर की निशानदेही पर पुलिस ने छापेमारी कर असगर पुत्र मो. कासिम अंसारी (निवासी पुनौरा, मुजफ्फरपुर, बिहार, हाल पता अलीनगर, मड़ियांव), अदनान पुत्र असलम कुरैशी (निवासी अलीनगर), गुलाम अहमद रजा उर्फ अफरीदी पुत्र इम्तियाज अहमद (निवासी अलीनगर), रिजवान अहमद पुत्र मुश्ताक कुरैशी (निवासी अलीनगर) तथा करीब 15 वर्षीय एक नाबालिग को पकड़ लिया।पुलिस के अनुसार आरोपियों के कब्जे से सोने की चेन, हार, अंगूठियां, झुमके, मंगलसूत्र, नथ, मांगटीका, करधनी, हाथफूल, झुमकी, झाला, टॉप्स, भारी पायल और चांदी के सिक्के सहित बड़ी मात्रा में सफेद और पीली धातु के आभूषण मिले। इसके साथ ही 4000 रुपये नकद भी बरामद हुए। बरामदगी के आधार पर यह भी स्पष्ट हुआ कि यह चोरी का माल मड़ियांव और अलीगंज थाना क्षेत्रों में दर्ज मुकदमों से संबंधित है।पुलिस जांच में यह सामने आया कि यह गिरोह सुनियोजित तरीके से बंद मकानों को निशाना बनाता था और ताला तोड़कर आभूषण व नकदी चोरी करता था। अभियुक्त असगर के खिलाफ पहले भी आपराधिक मुकदमा दर्ज है। गिरफ्तार आरोपियों पर बीएनएसएस की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया जा रहा है, जबकि नाबालिग को सादे वस्त्रों में मौजूद पुलिस अधिकारी की निगरानी में संरक्षण में लिया गया है।

लखनऊ में सीएम ग्रिड्स फेज-2 के अंतर्गत 98.63 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में नगर निगम के विकास कार्यों को नई गति देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री ग्रीन रोड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट स्कीम (अर्बन) – सीएम ग्रिड्स के अंतर्गत करीब 98.63 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया। महापौर सुषमा खर्कवाल ने गुरुवार को विधिवत पूजा-अर्चना कर शिलान्यास पत्थर रखकर इन कार्यों की शुरुआत की। उन्होंने इसे नगरवासियों के लिए ऐतिहासिक अवसर बताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा लखनऊ को आधुनिक और सुदृढ़ सड़क अवसंरचना के साथ एक स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करने की है।शिलान्यास कार्यक्रम में क्षेत्रीय पार्षद शैलेंद्र वर्मा, नगर आयुक्त गौरव कुमार, अपर नगर आयुक्त ललित कुमार, जीएम जलकल कुलदीप सिंह, मुख्य अभियंता (सिविल) महेश वर्मा, मुख्य अभियंता (आर.आर.) मनोज प्रभात, रिटायर्ड जेल अधीक्षक आर.सी. उपाध्याय, नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी और स्थानीय गणमान्य लोग मौजूद रहे। इसके अलावा यूआरआईडीए के मुख्य कार्यपालक अधिकारी महेंद्र बहादुर और डिप्टी सीईओ अरविंद श्रीवास्तव भी विशेष रूप से शामिल हुए।महापौर ने बताया कि सीएम ग्रिड्स फेज-2 के अंतर्गत प्रस्तावित कार्यों से न केवल यातायात सुगम होगा बल्कि नागरिकों को सुरक्षित एवं बेहतर आवागमन की सुविधा भी उपलब्ध होगी। इस चरण में दो बड़ी परियोजनाओं पर काम शुरू किया गया है। पहली परियोजना विभूति खंड क्षेत्र के समेकित विकास और उन्नयन से संबंधित है, जिसके तहत मंडी परिषद कार्यालय से लेकर टेक्नो टावर, पिकप भवन, डॉ. चन्द्रा क्लीनिक, पीएनबी ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, बस डिपो, आईजीपी चौराहा, मारुति शोरूम, एल्डिको एलीगेन्स, डीएलएफ माईपैड और समिट बिल्डिंग तक सड़क सुधार कार्य किए जाएंगे। इस परियोजना की लागत 61.37 करोड़ रुपये है। दूसरी परियोजना मोती महल मार्ग और चिनहट द्वितीय वार्ड क्षेत्र में सड़क उन्नयन और विकास की है, जिसमें महात्मा गांधी राणा प्रताप मार्ग से मोती महल मार्ग तक समेकित कार्य होंगे। इसके साथ ही चिनहट द्वितीय वार्ड के अंतर्गत सर्विस मार्ग और विशाल मेगा मार्ट से अवध बस स्टेशन तक सड़क सुधार भी किया जाएगा। इसकी लागत 37.25 करोड़ रुपये है। दोनों परियोजनाओं की कुल लागत 98.63 करोड़ रुपये है।महापौर ने कहा कि इन कार्यों से लखनऊ के विभूति खंड और चिनहट क्षेत्र, जो आईटी और व्यावसायिक दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, में सीधी राहत मिलेगी। प्रतिदिन हजारों वाहन और नागरिक इन मार्गों का उपयोग करते हैं, जिनके लिए अब चौड़ी और व्यवस्थित सड़कें उपलब्ध होंगी। इससे जाम की समस्या कम होगी और दुर्घटनाओं में भी कमी आएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि गुणवत्ता से कोई समझौता न किया जाए और निर्धारित समयसीमा में काम पूरा हो।नगर आयुक्त गौरव कुमार ने कहा कि इन परियोजनाओं से राजधानी के व्यस्ततम क्षेत्रों में सड़क अवसंरचना में उल्लेखनीय सुधार होगा। पर्यावरण संरक्षण और हरित विकास को ध्यान में रखते हुए कार्यों को अंजाम दिया जाएगा। गुरुवार का यह शिलान्यास कार्यक्रम लखनऊ नगर निगम के लिए विकास की दिशा में बड़ा कदम साबित हुआ है, जिससे आने वाले दिनों में शहरवासियों को बेहतर और सुरक्षित यातायात की सौगात मिलेगी।

त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन 2026 : प्रक्रिया प्रारम्भ, परिसीमन कार्य प्रगति पर

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। निदेशक पंचायतीराज अमित कुमार सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन 2026 की प्रक्रिया आरम्भ हो चुकी है। वर्ष 2021 में सम्पन्न पंचायतीराज निर्वाचन के उपरान्त संघठित ग्राम पंचायतों के कार्यकाल की समाप्ति से संबंधित प्रस्ताव शासन को भेजे जा चुके हैं। ग्राम पंचायत प्रधान का कार्यकाल 26 मई 2026, क्षेत्र पंचायत प्रमुख का कार्यकाल 19 जुलाई 2026 और जिला पंचायत अध्यक्ष का कार्यकाल 11 जुलाई 2026 को समाप्त हो रहा है।उन्होंने बताया कि शासन स्तर से निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण होने तक नगरीय निकायों के सृजन या सीमा विस्तार पर रोक लगाने के लिए नगर विकास विभाग को निर्देश दिए गए हैं। वर्ष 2021 में पंचायत निर्वाचन के बाद नगरीय निकायों के सृजन/सीमा विस्तार के कारण प्रभावित ग्राम पंचायतों एवं राजस्व ग्रामों का आंशिक पुनर्गठन किया गया। इस प्रक्रिया में 37 जनपदों का पुनर्गठन पूरा कर विवरण शासन को उपलब्ध करा दिया गया है।पूर्व में प्रदेश में 58,195 ग्राम पंचायतें विद्यमान थीं, जिनमें से 512 ग्राम पंचायतें नगर निकायों के सीमा विस्तार के कारण समाप्त हुईं, 9 ग्राम पंचायतें नवसृजित हुईं और 2 वन टंगिया ग्रामों को ग्राम पंचायतों के रूप में अधिसूचित किया गया। वर्तमान में प्रदेश में कुल 57,694 ग्राम पंचायतें अस्तित्व में हैं।वर्ष 2011 की जनगणना के आंकड़ों के अनुसार आंशिक पुनर्गठन के प्रभाव से प्रभावित ग्राम पंचायतों एवं विकासखण्डों की श्रेणीवार जनसंख्या संबंधी विवरण जिलाधिकारियों द्वारा उपलब्ध कराया गया है। त्रिस्तरीय पंचायतों के प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों (वार्डों) का परिसीमन करने हेतु शासनादेश 15 और 16 जुलाई 2025 को जारी किए गए। इसके अनुरूप आंशिक प्रभावित वार्डों का परिसीमन कार्य 3 से 5 अगस्त 2025 तक पूरा कर आपत्तियां प्राप्त की गईं और उनका निस्तारण कर प्रभावित वार्डों के गठन की प्रक्रिया जारी है।नगरीय निकायों के सृजन/सीमा विस्तार के कारण आंशिक रूप से प्रभावित 39 जनपदों में परिसीमन कार्य निर्धारित समय-सारणी के अनुसार पूरा कर संबंधित जानकारी पंचायती राज निदेशालय को 12 अगस्त 2025 तक उपलब्ध कराने के निर्देश जिलाधिकारियों को दिए गए थे। अब तक 47 जनपदों से परिसीमन संबंधित अभिलेख प्राप्त हो चुके हैं, जबकि 28 जनपदों—जिनमें आगरा, औरैया, बागपत, बहराइच, बलिया, भदोही, बदायूँ, फिरोजाबाद, गाजियाबाद, झांसी, कानपुर देहात, कासगंज, कौशाम्बी, कुशीनगर, महाराजगंज, मऊ, मिर्जापुर, मुरादाबाद, पीलीभीत, प्रतापगढ़, प्रयागराज, रायबरेली, रामपुर, सहारनपुर, संतकबीरनगर, सीतापुर, सोनभद्र और सुलतानपुर शामिल हैं।

अमित शाह के बयान को लेकर पूर्व जजों का आपस में ही भिड़ना गजब 'राजनीति' है

राजनीति में एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप करना, समूहों का टकराना और बयानों की तलवारें चलाना कोई नई बात नहीं है। परंतु हाल के दिनों में यह परंपरा अब न्यायपालिका से जुड़े सेवानिवृत्त जजों तक पहुँच गई है। सलवा जुडूम फैसले और गृहमंत्री अमित शाह की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व जजों के दो खेमों में खुला टकराव सामने आया है। यह दृश्य असहज इसलिए है क्योंकि न्यायपालिका को सदैव राजनीति से ऊपर और निष्पक्षता का प्रतीक माना जाता रहा है। जब पूर्व जज दो समूहों में बाँटकर सार्वजनिक बयानबाज़ी करने लगते हैं, तो यह संदेश जाता है कि न्यायपालिका की गरिमा और स्वतंत्रता केवल काग़ज़ पर बची है, व्यवहार में नहीं।

यह सही है कि कोई भी व्यक्ति सेवानिवृत्ति के बाद अपने विचार रखने के लिए स्वतंत्र है। यदि कोई जज राजनीति में प्रवेश करता है, तो उसे उसी राजनीतिक धरातल पर आलोचना भी सहनी होगी। लेकिन जब बड़ी संख्या में पूर्व न्यायाधीश सार्वजनिक तौर पर बयान देकर किसी नेता या उम्मीदवार के पक्ष-विपक्ष में उतरते हैं, तो वे केवल व्यक्तियों पर असर नहीं डालते बल्कि पूरे न्यायिक समुदाय की निष्पक्षता पर संदेह खड़ा कर देते हैं।

दरअसल, समस्या इस बात की नहीं है कि कौन सही है और कौन ग़लत। असली चिंता यह है कि पूर्व जजों के समूह अब राजनीति की भाषा में एक-दूसरे से भिड़ रहे हैं। इससे न्यायपालिका की विश्वसनीयता पर चोट पहुँचती है। लोकतंत्र में अदालतों का सम्मान इसलिए होता है क्योंकि लोग मानते हैं कि वह राजनीति से परे हैं। यदि यह धारणा ही टूट गई, तो यह न केवल न्यायपालिका बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए भी घातक होगा। अब समय आ गया है कि पूर्व न्यायाधीश अपने मतभेदों को सार्वजनिक मंच पर उछालने से बचें। व्यक्तिगत राय रखने और सार्वजनिक रूप से राजनीतिक टकराव का हिस्सा बनने में अंतर है। न्यायपालिका की गरिमा बचाए रखना केवल मौजूदा जजों का नहीं, बल्कि सेवानिवृत्त जजों का भी कर्तव्य है। न्यायपालिका का सम्मान इसी में है कि वह राजनीतिक अखाड़ा न बने, बल्कि समाज के लिए नैतिक मार्गदर्शक बनी रहे।

जहां तक पूरे विवाद की बात है तो आपको बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केरल में दिए भाषण में कहा था कि जस्टिस सुदर्शन रेड्डी ने अपने सलवा जुडूम निर्णय से नक्सलवाद को बढ़ावा दिया। अअमित शाह का दावा था कि अगर वह निर्णय नहीं दिया गया होता तो नक्सलवाद 2020 तक समाप्त हो गया होता। इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए सर्वोच्च न्यायालय के 18 सेवानिवृत्त न्यायाधीशों ने अमित शाह को पत्र लिखकर उनकी टिप्पणी को "दुर्भाग्यपूर्ण" बताया और नाम लेकर हमला करने से बचने की सलाह दी। उनके अनुसार यह न्यायपालिका की गरिमा के खिलाफ है। इसके ठीक अगले दिन 56 सेवानिवृत्त न्यायाधीशों का समूह सामने आया, जिसमें सुप्रीम कोर्ट के चार पूर्व न्यायाधीश और पूर्व मुख्य न्यायाधीश- पी. सदाशिवम, रंजन गोगोई, एके सीकरी और एमआर शाह शामिल थे। इन न्यायाधीशों ने अपने वक्तव्य में कहा कि "न्यायिक स्वतंत्रता राजनीतिक बयानबाज़ी की ढाल नहीं बन सकती।" बयान में कहा गया कि बार-बार कुछ पूर्व न्यायाधीश राजनीति से प्रेरित होकर बयान जारी करते हैं और न्यायपालिका को पक्षपाती दिखाते हैं। बयान में कहा गया कि यदि कोई सेवानिवृत्त न्यायाधीश राजनीति में आता है (जैसे जस्टिस रेड्डी ने विपक्ष का उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बनकर किया), तो उसे उसी राजनीतिक क्षेत्र में जवाब देना होगा, न कि न्यायपालिका की ढाल के पीछे छिपकर।

देखा जाये तो यह प्रकरण इस बात को उजागर करता है कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता और न्यायाधीशों की व्यक्तिगत राजनीतिक पसंद के बीच की रेखा धुंधली हो रही है। अमित शाह के आलोचक पूर्व जज मानते हैं कि गृहमंत्री का बयान संस्थान की गरिमा पर चोट करता है। वहीं अमित शाह के समर्थन में खड़े न्यायाधीश कहते हैं कि समस्या आलोचना में नहीं, बल्कि पूर्व न्यायाधीशों द्वारा बार-बार राजनीतिक रंग में बयान देने में है।

बहरहाल, सलवा जुडूम के फैसले को लेकर शुरू हुआ विवाद अब न्यायपालिका की छवि और स्वतंत्रता पर विमर्श का रूप ले चुका है। अमित शाह की टिप्पणी ने बहस को तेज़ किया, लेकिन उससे भी अधिक चिंता की बात यह है कि पूर्व न्यायाधीश दो खेमों में बंटकर न्यायपालिका को ही राजनीतिक बहस का हिस्सा बना रहे हैं। इस पूरे घटनाक्रम से यही प्रश्न उठता है कि क्या न्यायाधीशों को राजनीति में प्रवेश करने के बाद न्यायिक स्वतंत्रता की आड़ लेनी चाहिए, या फिर उन्हें उसी राजनीतिक धरातल पर खड़ा होकर आलोचना का सामना करना चाहिए?

मोदी सरकार की जनहित की शानदार पहल ऑनलाइन गेमिंग ऐप पर सख्त कानून

ऑनलाइन गेमिंग ऐप का आलम यह हो गया था कि देश के दूरदराज के गांवों से लेकर कस्बों शहरों तक में भी यह लोगों को घर बैठे-बैठे हुए ही सट्टेबाजी करने के लिए प्रेरित करने लगा है

दीपक कुमार त्यागी

देश में प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, मैट्रो रेल स्टेशन, एयरपोर्ट, हाइवे, सड़क, हवाई जहाज, रेल, मैट्रो रेल, बस आदि में ₹पैसे लगाओं, टीम बनाओं, करोड़ों कमाओं₹ जैसी टैग लाइन के साथ भ्रमित करने वाले ऑनलाइन गेमिंग ऐप का प्रचार चर्चित चहरों के साथ बड़े पैमाने पर होता नज़र आता है। इन चर्चित चेहरों के प्रमोशन करने के चलते देश में करोड़ों लोग ऑनलाइन गेमिंग ऐप के माध्यम से चल रही सट्टेबाजी, ठगी व साइबर फ्राड आदि का शिकार होकर के अपने जीवन भर की कमाई गंवाकर मानसिक तनाव में आकर के अनमोल जीवन तक को समाप्त करने का कार्य कर रहे थे, लेकिन मोदी सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग की नकेल कसने का कार्य शुरू कर दिया है। हालांकि ऑनलाइन गेम की मुख्य रूप से दो कैटेगरी मानी जाती है, पहली कैटेगरी में ई-स्पोर्ट्स जिसमें गेम खेलने के लिए किसी भी प्रकार से पैसों का आदान-प्रदान नहीं किया जाता है व दूसरी कैटेगरी में रियल मनी गेम्स में पैसों का लेन-देन होता है, दूसरी कैटेगरी पर ही मोदी सरकार ने अंकुश लगाया है। देश में इंटरनेट की सुलभता से पहुंच होने के चलते ऑनलाइन गेमिंग ऐप का आलम यह हो गया था कि देश के दूरदराज के गांवों से लेकर कस्बों शहरों तक में भी यह लोगों को घर बैठे-बैठे हुए ही सट्टेबाजी करने के लिए प्रेरित करने लगा है, घर की चौपाल से लेकर के गली, मोहल्ले, नुक्कड़ हर तरफ ऑनलाइन गेमिंग ऐप की चर्चा सुनना अब आम बात हो गयी थी। लेकिन नरेन्द्र मोदी की सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग की इस गंभीर चुनौती को समय रहते समझने का कार्य करते हुए, 19 अगस्त 2025 को देश के घर-घर में छोटे व बड़े-बूढ़े तक के बीच में भी अपनी पैठ बना चुके ऑनलाइन गेमिंग ऐप पर नियंत्रण लगाने के लिए एक कानून ₹ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन और विनियमन विधेयक 2025₹ को कैबिनेट में पारित करवाने का कार्य करते हुए, 20 अगस्त 2025 को चंद मिनटों में ही ध्वनि मत से देश दोनों सर्वोच्च सदनों से पास करवाया। हालांकि देश के कुछ लोगों को इस कानून से कोई भी फर्क नहीं पड़ता है, लेकिन जिन लोगों के घर ऑनलाइन गेमिंग ऐप के माध्यम से चल रही पैसों की सट्टेबाजी के चलते बर्बादी के कगार पर आकर खड़े हो गये हैं, इस सख्त कानून से उन लोगों के बिखरते घर-बार व कारोबार बच जायेंगे। साथ ही जो परिवार इन ऑनलाइन गेमिंग ऐप के नाम पर चल रही सट्टेबाजी व साइबर फ्राड आदि का शिकार होकर धन-दौलत यहां तक की परिजनों को भी खो चुकें हैं, उन परिजनों को भी संतोष मिलेगा की अब भविष्य में उनकी तरह किसी का घर-परिवार तबाह नहीं होगा।

वैसे तो देश में ऑनलाइन गेमिंग ऐप का बहुत बड़ा कारोबार है, देश में इसके ग्राहक छोटे-छोटे बच्चों से लेकर के बड़े-बुजुर्ग तक भी हैं, जो इंटरनेट कनेक्टिविटी वाले अपने मोबाइल फोन में इन ऑनलाइन गेमिंग के विभिन्न ऐप डाउनलोड करके ऑनलाइन गेम खेलते हुए इनकी भयंकर लत व मानसिक अवसाद के शिकार हो रहे हैं। वहीं इन गेम के प्लेटफार्मों पर खुल्लमखुल्ला ₹पैसे लगाओं, टीम बनाओं, करोड़ों कमाओं₹ जैसी आकृषित करने वाली टैग लाइन के साथ सट्टेबाजी चल रही है, इन प्लेटफार्मों पर लोग कमाई के झांसें में आकर के जीवन भर की अपनी गाढ़ी कमाई को गंवाने का काम कर रहे थे। साथ ही देश में जिस तरह से साइबर फ्राड की घटनाएं ऑनलाइन गेमिंग ऐप के सहारे आये-दिन घटित हो रही हैं, वह चिंतित करने वाली स्थिति है। जिसके चलते ही नरेन्द्र मोदी सरकार की ऑनलाइन गेमिंग के इस कारोबार पर पैनी नज़र बनी हुई थी। उसी कड़ी में वर्षों पहले ही मोदी सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग ऐप पर रुपए-पैसों की किसी भी प्रकार की ट्रांजेक्शन पर 1 अक्टूबर 2023 में 28 प्रतिशत और वर्ष 2024-2025 में जीती गयी धनराशि पर 30 प्रतिशत जीएसटी लागू कर दिया था, जिससे सरकार को लगभग 20 हज़ार करोड़ रुपए सालाना की भारी-भरकम धनराशि जीएसटी के रूप में मिल रही थी। ऑनलाइन गेमिंग के पिछले कुछ वर्षों में लगभग 400 स्टार्टअप भारत में शुरू हुए हैं, वहीं लगभग 25 हजार करोड़ निवेश हुए हैं। लेकिन मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने खुलासा किया था कि भारतीय हर वर्ष लगभग 1 लाख 20 हज़ार करोड़ रुपए भारी-भरकम धनराशि इन ऑनलाइन गेमिंग ऐप के चक्कर में खर्च कर रहे हैं, जो बेहद ही चौंकाने वाली व चिंताजनक स्थिति है। वहीं केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संसद में बताया था कि ऑनलाइन गेमिंग के चक्कर में हर वर्ष 45 करोड़ भारतीय 20 हज़ार करोड़ रुपए गंवा देते हैं। वहीं देश में साइबर सुरक्षा पर पैनी नज़र रखने वाली एजेंसियों ने भी इन ऑनलाइन गेमिंग के प्लेटफॉर्मों पर सख्ती कर रखी थी, इन एजेंसियों ने ऑनलाइन गेमिंग ऐप की आड़ में साइबर फ्राड करने वाले हजारों ऐप को बैन तक करके लोगों को ठगी से बचाने का कार्य किया है, अकेले वर्ष 2022 में ही सरकार ने 1400 से ज्यादा वेबसाइट को ब्लॉक किया था। लेकिन सरकार की लाख सख्ती के बावजूद भी ऑनलाइन गेमिंग ऐप वाले लोगों की जेब से पैसा निकालने की कुछ ना कुछ नयी तिकड़म बैठाकर के लोगों को चूना लगाने में कामयाब हो ही जाते थे।

जिसके चलते ही नरेन्द्र मोदी की सरकार ने लोगों के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले ऑनलाइन मनी गेमिंग ऐप की लूट-खसोट पर अंकुश लगाने के लिए सख्त कानून बनाने की शुरुआत की, नरेन्द्र मोदी की सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में 19 अगस्त 2025 को ₹ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन और विनियमन विधेयक 2025₹ को मंजूरी देते हुए अगले दिन ही 20 अगस्त 2025 को लोकसभा व राज्यसभा में पास करवा कर के, इस विधेयक को महामहिम राष्ट्रपति से हरी झंडी मिलने की मंजूरी के लिए भेज दिया, जहां पर इस विधेयक को 22 अगस्त 2025 को राष्ट्रपति की मंजूरी की मोहर लगने का बाद यह कानून देश में लागू हो गया है। इस नये कानून के अनुसार ऑनलाइन गेमिंग ऐप पर रुपए-पैसों के लेन-देन वाली ट्रांजैक्शन देश में पूरी तरह से प्रतिबंधित है। अब देश में ऑनलाइन गेमिंग ऐप में रुपए-पैसों का लेन-देन उपलब्ध करने वाले लोगों को तीन वर्ष तक की कड़ी सजा और एक करोड़ रुपए तक का जुर्माना भुगतान होगा। वहीं जिस तरह से ऑनलाइन गेमिंग ऐप भोले-भाले लोगों को अपने चंगुल में फंसाने के लिए आये-दिन खेल जगत के चर्चित चहरों व विभिन्न सेलिब्रिटी का सहारा लेने का कार्य करते थे, उस पर भी दो वर्ष की सजा और 50 लाख रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान होने से ऑनलाइन गेमिंग के प्रोमोशन पर अंकुश लगेगा। सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग ऐप पर बनाये प्रावधानों में यह साफ कर दिया है कि यह एक सामाजिक बुराई है, जिस पर केंद्र सरकार पूरी तरह से अंकुश लगाना चाहती है। वैसे ऑनलाइन गेमिंग ऐप के मुद्दे पर पक्ष के साथ-साथ विपक्ष भी यह मानता था कि यह एक गंभीर सामाजिक बुराई बन चुकी है, तब ही यह विधेयक लोकसभा व राज्यसभा दोनों सदनों में महज 26 मिनट में पास हो गया। हालांकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस विधेयक का समर्थन करते हुए कहा था कि यह कानून देश में ई-स्पोर्ट्स को बढ़ावा देगा, लेकिन उन ऑनलाइन गेमिंग ऐप को रोक देगा, जिनका सीधा असर लोगों की आर्थिक स्थिति और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहा है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस कानून को समाज को हानिकारक प्रवृत्तियों से बचाने की दिशा में बड़ा कदम बताया। हालांकि नये कानून के बाद देश में ऑनलाइन गेमिंग का कार्य करने वाले बहुत सारे प्लेटफार्मों ने रुपए-पैसे के लेन-देन बंद करने की घोषणा कर दी है, जो ऑनलाइन गेमिंग ऐप की दुनिया में व आम जनमानस के हित में एक सकारात्मक बदलाव का संकेत है।

अजब-गजब

नौकरानी पर लगा 8 लाख का जुर्माना, आखिर क्यों? बेहद अजीब है ये मामला

अगर आपने अपने घर में मेड रखा होगा तो आपको पता होगा कि मेड आपके घर के अलावा भी कई घरों में काम करती हैं, लेकिन सिंगापुर में इसी से जुड़ा एक मामला सामने आया है, जिसने हर किसी को हैरान कर दिया है। दरअसल, यहां की रहने वाली एक नौकरानी को एक्स्ट्रा सैलरी के लिए कई जगहों पर काम करने की आदत भारी पड़ गई। अपनी आधिकारिक नौकरी के अलावा चोरी-छिपे सफाई का काम करने वाली एक महिला पर सिंगापुर की एक अदालत ने 13,000 सिंगापुरी डॉलर यानी करीब 8।8 लाख रुपये का भारी जुर्माना लगाया है।

इतना ही नहीं, अधिकारियों ने उसके एक अवैध एंप्लोयर पर भी कार्रवाई की है और उसपर 7,000 सिंगापुरी डॉलर का जुर्माना लगाया गया है। चैनल न्यूज एशिया की रिपोर्ट के मुताबिक, नौकरानी की एक साथ कई जगहों पर काम करने की जानकारी दिसंबर 2024 में मानव संसाधन मंत्रालय को मिली। उसके बाद मामले की जांच की गई और जांच में महिला पर लगाया गया आरोप सही पाया गया, जिसके बाद उसपर कार्रवाई हुई।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 53 वर्षीय पिडो एर्लिंडा ओकैम्पो साल 1994 से सिंगापुर में कानूनी रूप से कार्यरत थीं और अपने करियर के दौरान उन्होंने चार आधिकारिक एंप्लोयर के लिए काम किया। हालांकि उन्होंने अप्रैल 2018 से फरवरी 2020 के बीच 64 वर्षीय सोह ओई बेक के लिए पार्ट टाइम घर की सफाई का काम भी किया और फिर मार्च 2022 से सितंबर 2024 तक कोविड-19 प्रतिबंधों में ढील के बाद भी काम किया। महिला अपने आधिकारिक काम के दिनों में महीने में दो से तीन बार 2 से 4 घंटे की शिफ्ट में सोह के घर की सफाई करके हर महीने 375 सिंगापुरी डॉलर कमाती थी। अदालत की सुनवाई में सोह ने स्वीकार किया कि उसने महिला को ये जानते हुए भी काम पर रखा था कि वो कहीं और काम करती है। सोह ने एर्लिंडा का नाम अपने एंप्लोयर पुलक प्रसाद को भी सुझाया था, क्योंकि उन्हें एक पार्ट टाइम घरेलू सहायक की जरूरत थी। बातचीत के बाद एर्लिंडा ने सितंबर 2019 से फरवरी 2020 तक और फिर महामारी के बाद मार्च 2022 से सितंबर 2024 के बीच पुलक प्रसाद के लिए काम करना शुरू कर दिया। वह महीने में दो बार उस व्यक्ति के घर की सफाई करती थी।

दरअसल, सिंगापुर में विदेशी घरेलू सहायकों का अपने आधिकारिक एंप्लोयर के अलावा किसी और जगह काम करना गैरकानूनी है। अगर कोई इस कानून को तोड़ने की कोशिश करता है तो उसपर 20 हजार सिंगापुरी डॉलर तक का जुर्माना और दो साल तक की जेल या दोनों हो सकती है। सिंगापुर का कानून अवैध रूप से काम पर रखने के ऐसे मामलों में एंप्लोयर को भी सजा देता है और 5,000 से 30,000 सिंगापुरी डॉलर तक का जुर्माना और एक साल की जेल या दोनों हो सकते हैं।

ब्लॉग

जियो-पॉलिटिकल लव ट्रेंगल: क्या एक रूस, एक भारत और एक चीन के स्वप्न से बनेगी बात?

कमलेश पांडे ।

आए दिन बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच जियो-पॉलिटिकल लव ट्रेंगल के दृष्टिगत एक रूस, एक भारत और एक चीन के अघोषित स्वप्न यक्ष प्रश्न समुपस्थित है। देखा जाए तो प्रथम-द्वितीय विश्वयुद्ध के प्रणेता रहे अमेरिका-यूरोप की कुचक्री नीतियों के प्रतिरोध स्वरूप बन रहे यूरेशियाई ब्लॉक यानी 'रूस-चीन-भारत' के समूह और उसके प्रस्तावित आरआईसी त्रिकोण के सम्मुख यह मौलिक सवाल समुपस्थित है कि क्या इस त्रिकोण के बिना उनके विश्वव्यापी भविष्य और उनकी सफलता दोनों संदिग्ध रहेगी।

ऐसा इसलिए कि वर्तमान अमेरिकी सनक और हनक के प्रतिक्रिया स्वरूप अब भारत ने गुटनिरपेक्षता के बजाए रूस के साथ चीन की ओर जिस तरह से अपना झुकाव प्रदर्शित किया है, वह अमेरिका-यूरोप के मित्रगत समझ और उन पर आधारित तिकड़मों को तो करारा जवाब है ही, साथ ही भारत अपनी गुटनिरपेक्ष नीतियों से इतर भी एक नया और ठोस संकेत दे रहा है, जिसे समझने की जरूरत है। मसलन, यह कि अपने दूरगामी राष्ट्रीय हितों की पूर्ति के लिए भारत किसी भी विकसित देश के धौंसपट्टी में नहीं आएगा और इसकी भरपाई के लिए घोर शत्रु से भी हाथ मिलाने में नहीं हिचकिचाएगा। अमेरिका यदि पाकिस्तान-बंगलादेश को भारत के खिलाफ भड़कएगा तो भारत भी अब चुप नहीं रहेगा, बल्कि आक्रामक रणनीतिक पलटवार ऑपरेशन सिंदूर की भांति करेगा। ऐसे में संयुक्त राज्य अमेरिका और दो दर्जन देशों से अधिक की सदस्यता वाले यूरोपीय संघ में शामिल नाटो देशों के अंतरराष्ट्रीय तिकड़मों से निपटने के लिए जरूरी है कि रूस, भारत, चीन तीनों अपना-अपना विस्तार करें। खुद को उम्मीद से ज्यादा मजबूत बनाएं। इस दृष्टि से भारत के सदाबहार दोस्त सोवियत संघ में शामिल रहे रूस और अन्य चौदह देशों के अलावा, तुर्किये, सीरिया, मिश्र, सऊदी अरब आदि के उसमें मिलने से ही एक वृहत रूस या रूसी परिसंघ का सपना पूरा होगा। लिहाजा इस क्षेत्र में नाटो की बढ़ती दखल से भविष्य में मामले उलझ सकते हैं।

इसी प्रकार भारत को उसके पड़ोसी देशों, यथा- पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, ईरान, इराक, म्यांमार, नेपाल, तिब्बत, भूटान, श्रीलंका, मालदीव के अलावा भी थाईलैंड, कम्बोडिया, सिंगापुर, इंडोनेशिया, मलेशिया आदि देशों को भारत में मिलाने के नैतिक प्रयत्न जारी रखने होंगे, क्योंकि इससे ही एक भारत का सपना पूरा होगा। वहीं, इस क्षेत्र में अमेरिका या चीन के बढ़ती दखल से भविष्य में मामले उलझ सकते हैं।

ठीक इसी तरह से चीन के विस्तार के लिए ताइवान, उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया, जापान, लाओस, वियतनाम आदि देशों को उसमें मिलाना जरूरी है, जिससे एक चीन का सपना जल्द पूरा होगा। लेकिन यहां पर भी अमेरिका या जापान के बढ़ते दखल से भविष्य में मामले उलझ सकते हैं। इस नजरिए से देखा जाए तो ये तीनों इतने वृहत भौगोलिक पॉलिटिकल ब्लॉक हैं, जिन पर रूस, भारत और चीन की पकड़ मजबूत होने से उनके संयुक्त रणनीतिक एजेंडे को बल मिलेगा। इसलिए यदि इनके एजेंडे में यह विषय शामिल नहीं है तो अविलंब कर लीजिए। इससे तीनों देशों का ही भला होगा। लेकिन एक दूसरे के भौगोलिक, आर्थिक और सैन्य हितों का सम्मान कीजिए, अन्यथा मित्रतापूर्ण भाव कटुता में तब्दील हो जाएगी।

लिहाजा यदि संभव हो तो इसी आधार पर अपनी रणनीतिक समझदारी भी विकसित कर लीजिए और एक-दूसरे के पैर को खींचना बन्द कर दीजिए। यदि आप तीनों ऐसा कर पाए तो नाटो या जी-7 पर एससीओ या ब्रिक्स देश समूह चौबीस घण्टे भारी पड़ेंगे। लेकिन यह काम इतना आसान भी नहीं है। इसके लिए पुतिन, मोदी और जिनपिंग को थोड़ा बहुत त्याग करना होगा, थोड़ा दिल बड़ा करके पड़ोसियों की मानसिकता को बदलना या जीतना होगा, थोड़ा धैर्य पूर्वक कदम बढ़ाना होगा।

वहीं, निकट भविष्य में यदि भारत-रूस के प्रभाववश इजरायल का भी इस त्रिकोण को साथ मिल गया तो यह सोने पर सोहागा वाली स्थिति होगी। इससे अरब व यूरोप के उन हिस्सों पर भी भारत-रूस की पकड़ मजबूत होगी, जिन पर इजरायल की धाक जमेगी। यदि वह यरूशलेम-इंग्लैंड एक्सप्रेस-वे विकसित कर लेता है तो यह उसके लिए बहुत सुकून की बात होगी। यह स्थिति अमेरिका-रूस दोनों के लिए सुखद होगी।

यदि इस नजरिए से नई दिल्ली-मॉस्को एक्सप्रेस-वे और नई दिल्ली-बीजिंग एक्सप्रेस-वे, नई दिल्ली-सिंगापुर एक्सप्रेस-वे और नई दिल्ली-यरूशलेम एक्सप्रेस-वे बना दिया जाए तो इसके और बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। इसी तरह से रूस के मास्को-बीजिंग एक्सप्रेस-वे, मास्को-इस्ताम्बुल (तुर्किये) एक्सप्रेस-वे, मॉस्को-बर्लिन एक्सप्रेस-वे, मॉस्को-पेरिस एक्सप्रेस-वे के सपने देखे जाएं तो यह उसके लिए बेहतर हो सकता है।

रही बात चीन की तो उसके लिए बीजिंग-इस्ताम्बुल (तुर्किये) एक्सप्रेस-वे, टोकियो एक्सप्रेस वे-वॉटर वे, चीन-लाओस एक्सप्रेस-वे से उसके कारोबार में भी इजाफा हो सकता है। लेकिन क्या ऐसा करना आसान है? जवाब होगा- शायद हां भी और नहीं भी। आज जिस तरह से अरब मुल्कों पर वर्चस्व को लेकर, भारतीय उपमहाद्वीप में वर्चस्व को लेकर, दक्षिण चीन सागर में वर्चस्व को लेकर, हिन्द महासागर में वर्चस्व को लेकर, यूक्रेन में वर्चस्व को लॉकर, तिब्बत पर वर्चस्व को लेकर, अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका में वर्चस्व को लेकर अमेरिका-यूरोप और रूस-चीन के बीच तलवारें खींची रहती हैं, शह-मात के खेल चलते रहते हैं, उसके दृष्टिगत अब भारत का साथ रूस-चीन को मिलने के संकेत भर से अमेरिका और उसके यूरोपीय समर्थक देशों की परेशानी बढ़ गई है। समझा जाता है कि अब रूस-भारत-चीन का प्रस्तावित त्रिकोण ही अमेरिका-यूरोप के देशों को उनकी लक्ष्मण रेखा बताएगा, ताकि एशिया-यूरोप में हथियार व गोला-बारूद खपाने को लेकर उनकी जो शातिर व भड़काऊ नीतियां हैं, वह बदली जा सकें। इस बारे में अब नए सिरे से उन्हें समझना होगा और जब वे समझने की कोशिश नहीं करेंगे तो फिर उसकी काट भी निकालनी होगी।

दरअसल, भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ जब चीनी विदेश मंत्री वांग यी की बातचीत हुई थी तो इसी क्रम में 'एक-चीन' नीति से संबंधित बात भी उठी थी। इसके बाद चीनी विदेश मंत्री ने दावा किया कि भारत ने ताइवान को चीन का अंग मान लिया है। फिर भारत के विदेश मंत्री ने उनकी कथित टिप्पणियों पर अपना स्पष्टीकरण दिया। इस पर चीन ने 'आश्चर्य' व्यक्त किया है। क्योंकि भारत ने कहा था कि ताईवान पर उसके रुख में कोई बदलाव नहीं आया है और उसके साथ नयी दिल्ली के संबंध आर्थिक, तकनीकी और सांस्कृतिक पहलुओं पर केंद्रित हैं।

मैं समझता हूं कि जयशंकर ने ऐसा इसलिए कहा होगा कि अभी तो मित्रता की पुनः शुरुआत हो रही है, जिसकी अग्नि परीक्षा अभी बाकी है। और फिर जब पाकिस्तान, अफगानिस्तान, पीओके, नेपाल, भूटान, तिब्बत, अरुणाचल प्रदेश, बंगलादेश, म्यांमार, श्रीलंका, मालदीव से जुड़े मामलों पर जब चीन के स्टैंड भारत के हितों के अनुकूल होंगे तो भारत भी उनके हितों का ख्याल रखेगा। यही वजह है कि चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि, ''हम भारत के स्पष्टीकरण से हैरान हैं।'' वह जयशंकर की टिप्पणियों यानी भारत के स्पष्टीकरण की खबरों पर चीन के आधिकारिक मीडिया के एक सवाल का जवाब दे रही थीं। दरअसल, यह स्पष्टीकरण भी तब आया जब चीनी विदेश मंत्रालय ने वांग के साथ बातचीत के दौरान जयशंकर के बयान को गलत तरीके से उद्धृत करते हुए कहा था कि ताईवान चीन का हिस्सा है। चीनी प्रवक्ता ने दावा किया कि बीजिंग इस स्पष्टीकरण को 'तथ्यों के साथ असंगत' पाता है। ऐसा लगता है कि भारत में कुछ लोगों ने ताईवान के मुद्दे पर चीन की संप्रभुता को कमजोर करने और चीन-भारत संबंधों में सुधार को बाधित करने की कोशिश की है। चीन इस पर गंभीर चिंता व्यक्त करता है और इसका कड़ा विरोध करता है। इसलिए मैं इस बात पर ज़ोर देना चाहती हूं कि दुनिया में सिर्फ़ एक ही चीन है और ताईवान चीन के भूभाग का एक अविभाज्य हिस्सा है। भारत सहित अंतरराष्ट्रीय समुदाय में इस पर व्यापक सहमति है। चीन को उम्मीद है कि भारत 'एक-चीन' के सिद्धांत का गंभीरता से पालन करेगा, संवेदनशील मुद्दों को उचित ढंग से संभालेगा और द्विपक्षीय संबंधों के निरंतर विकास को बढ़ावा देगा।

उल्लेखनीय है कि अपनी दो दिवसीय भारत यात्रा पर नयी दिल्ली पहुंचे वांग ने गत 18 अगस्त 2025 को जयशंकर के साथ बातचीत में यह मुद्दा उठाया था, जिसके बाद भारत के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि चीनी पक्ष ने ताइवान का मुद्दा उठाया था। लेकिन भारतीय पक्ष ने इस बात पर ज़ोर दिया कि इस मुद्दे पर उसकी स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है। उसने इस बात पर ज़ोर दिया कि दुनिया के बाकी हिस्सों की तरह, भारत का ताईवान के साथ आर्थिक, तकनीकी और सांस्कृतिक संबंधों पर केंद्रित रिश्ता है और यह आगे भी जारी रहेगा। भारतीय पक्ष ने कहा कि चीन भी इन क्षेत्रों में ताइवान के साथ सहयोग करता है।

उल्लेखनीय है कि अतीत में भी, भारत ने 'एक-चीन' नीति का समर्थन किया था, लेकिन 2011 के बाद से किसी भी द्विपक्षीय दस्तावेज़ में इस नीति को शामिल नहीं किया गया है। जबकि चीन ने अक्सर भारत से 'एक-चीन' नीति का पालन करने का आग्रह किया है। यद्यपि भारत और ताईवान के बीच औपचारिक कूटनीतिक संबंध नहीं हैं, फिर भी उनके द्विपक्षीय व्यापार संबंध लगातार बढ़ रहे हैं। बता दें कि ताईवान एक स्वशासी द्वीप है जिसकी आबादी 2.3 करोड़ से अधिक है। यह दुनिया के लगभग 70 प्रतिशत सेमीकंडक्टर का उत्पादन करता है, जिसमें सबसे उन्नत चिप्स शामिल हैं जो लगभग सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों जैसे स्मार्टफोन, कार के पुर्जे, डेटा सेंटर, लड़ाकू विमान और एआई तकनीकों के लिए आवश्यक हैं।

इसलिए सवाल उठता है कि जब चीन, 'एक चीन' नीति का पक्षधर है तो फिर उसे 'एक भारत' की नीति को भी मान लेना चाहिए। इसी तरह से 'एक रूस' की नीति को भी भारत-चीन द्वारा शह देना चाहिए। इसी प्रकार से 'एक इजरायल' की नीति को भी सैद्धांतिक रूप से मान्यता दे दी जाए तो विश्वव्यापी इस्लामिक कट्टरता पर भी लगाम संभव है। इससे अमेरिका-यूरोप दोनों कमजोर होंगे और रूस-भारत-चीन निरंतर मजबूत। बता दें कि आगामी 31 अगस्त-1 सितंबर तक मोदी, पुतिन समेत दुनिया के 20 नेता एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे, जिसका नेतृत्व चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग करेंगे। तियानजिन में आयोजित होने वाला शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) का शिखर सम्मेलन इस समूह के इतिहास का सबसे बड़ा शिखर सम्मेलन होगा। यह चीन द्वारा आयोजित पांचवां शिखर सम्मेलन है। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और रूस के उनके समकक्ष व्लादिमीर पुतिन के अलावा, प्रधानमंत्री मोदी और दुनिया के कई नेता इस शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे।

पति के दोस्त से होने लगी बात, देखते ही देखते बढ़ गई करीबी... रास्ते से हटाने के लिए प्रेमी ने कर दी हत्या

आर्यावर्त संवाददाता

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में 23 अगस्त के हुए मन्टू हत्याकांड मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। मामले में पुलिस ने आरोपी सौरभ को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में प्रेम प्रसंग और आपसी विवाद के चलते वारदात को अंजाम दिया गया। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने कार्रवाई करते हुए टीम बना कर मामले की जांच के आदेश दिये। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कई जगहों पर छापेमारी की। 24 अगस्त को पुलिस ने मुख्य आरोपी सौरभ को सर्विस रोड मोड़ के पास से गिरफ्तार कर लिया।

मामला सहारनपुर जनपद के थाना बड़गांव क्षेत्र के शिमलाना गांव का है। यहां 23 अगस्त को मन्टू नामक युवक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई थी। इसके बाद

मृतक के भाई संदीप ने गांव के ही तीन युवक सौरभ, मुकेश, और संजीव के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। संदीप ने इन आरोप लगाया था कि इन लोगों ने मन्टू को घेरकर जानलेवा हमला किया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

आरोपी ने कबूला जुर्म

पूछताछ में सौरभ ने अपना जूर्म कबूल करते हुए हत्या के पीछ चौकाने वाली वजह बताई। सौरभ ने बताया कि वो और मन्टू एक साथ टेंट का काम करते थे। काम के समय मन्टू कई बार अपना फोन नहीं लाता था। इस दौरान उसकी पत्नी सौरभ के फोन पर कॉल कर उससे बात करती थी। इसकी वजह से सौरभ और उसकी पत्नी के बीच नजदीकियां बढ़ गई। जब इसका पता मन्टू को चला तो दोनों में तनाव बढ़ना शुरू हो गया।

घटना वाले दिन इसी को लेकर सौरभ और मन्टू में तीखी बहस हुई, गाली गाली गलौज भी हुई। इस दौरान सौरभ ने मन्टू पर चाकू से हमला कर दिया, हमले में बुरी तरह घायल होन से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी के निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल किये गए चाकू को बरामद कर लिया है।

अन्य आरोपियों की तलाश ने जुटी पुलिस

पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है। जबकि अन्य दो आरोपियों मुकेश और संजीव की तलाश की जा रही हैं। मामले में थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। हत्या का कारण प्रेम प्रसंग और व्यक्तिगत रंजिश सामने आया है। अन्य आरोरियों की तलाश जारी है।

जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी की अद्यक्षता में सम्पन्न

» **कमिशनिंग व ओवरहेड टैंक के कार्यों में तेजी लाने व नियमित जलापूर्ति बढ़ाने के दिए निर्देश**

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी श्री शशांक त्रिपाठी की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में जनपद में संचालित पेयजल योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

कार्य की धीमी प्रगति पर नाराजगी

अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) ने बताया कि जिले के 1581 राजस्व ग्रामों में जल जीवन मिशन के अन्तर्गत कार्य चल रहे हैं।

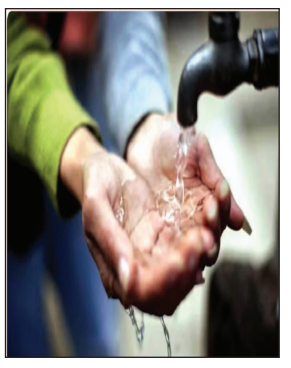

जिलाधिकारी ने निर्माण कार्यों की धीमी प्रगति पर असंतोष जताते हुए कहा कि कमिशनिंग, रेगुलर वाटर सप्लाई एवं ओवरहेड टैंक से सम्बन्धित कार्यों में गति लाई जाए।

प्रतिदिन 05 साइटों के निरीक्षण का निर्देश

जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी ए0ई0 व जे0ई0 प्रतिदिन कम से कम 05 साइटों का भ्रमण कर कार्यो को प्रारम्भ कराते हुए कार्यस्थल पर तैनात लेबर संख्या की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों की निरंतर मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए ताकि योजनाएं समय पर पूर्ण हो सकें।

लापरवाह एजेंसियों पर कार्रवाई

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने लापरवाही पर सख्त रुख अपनाते हुए निर्माण एजेंसी मेघा कंस्ट्रक्शन तथा कमीशनिंग में धीमी प्रगति पर बीटीएल एजेंसी को नोटिस करते हुए शासन को पत्र प्रेषित करने के भी दिए गए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी श्री अन्ना सुदन,सहायक कलेक्टर/प्रशिक्षु आईएएस श्री तेजस के0,अधिशासी अभियन्ता जल निगम (ग्रामीण) श्री अमित कुमार, वन विभाग के अधिकारी एवं कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा बैठक सम्पन्न

» **लाभार्थियों को समय पर अनुदान एवं ऋण उपलब्ध कराने पर जिलाधिकारी का जोर**

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी की अध्यक्षता में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की जिला स्तरीय समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में योजना की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि इस योजना के अन्तर्गत लाभार्थियों को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा प्रदान किया जाने वाला अनुदान समय पर उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति के लिए सभी वेंडर्स सक्रियता से कार्य करें और अधिक से अधिक इच्छुक उपभोक्ताओं को इस योजना से जोड़ा जाए।बैठक में शामिल बैंकों के प्रतिनिधियों को जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि योजना में रुचि रखने वाले व्यक्तियों को तत्काल आवश्यक कार्यवाही करते हुए ऋण उपलब्ध कराया जाए।जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग एवं नेडा के अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि नेट मीटरिंग से सम्बन्धित समस्याओं का प्रतिदिन फॉलोअप किया जाए और उनका शीघ्र निस्तारण कराया जाए।उन्होंने कहा कि यह योजना लोगों को न केवल सस्ती और निरंतर ऊर्जा उपलब्ध कराने में सहायक होगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। अतः इस योजना से जुड़े सभी विभाग और संस्थाएं पूरी जिम्मेदारी व सक्रियता के साथ कार्य करें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अन्ना सुदन,प्रशिक्षु आई0ए0एस0 तेजस के0 जिला विकास अधिकारी, अधीक्षण अभियन्ता विद्युत, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी लीड बैंक मैनेजर, विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि, अन्य जिला स्तरीय अधिकारी तथा योजना से जुड़े वेंडर्स उपस्थित रहे।

छोटी सी बात पर पत्नी हुई गुस्से से लाल, पति पर फेंक दी खौलती चाय... झुलस गया चेहरा ; हाथ और सीने में पड़े छाले

आर्यावर्त संवाददाता

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश में एक पत्नी ने अपने पति के चेहरे पर खौलती चाय फेंक दी, जिससे पति का चेहरा बुरी तरह झुलस गया। इतना ही नहीं पति का सिर भी सूज गया। नाक से खून निकल आया। मामूली कहासुनी पर पत्नी ने पति के साथ ऐसा किया। घटना के बाद पत्नी अपने सामान के साथ-साथ अलमारी में रखे 1।44 लाख रुपये अपने साथ लेकर चली गई। ये घटना गाजियाबाद के वेव सिटी थाना इलाके की बताई जा रही है।

पीड़ित पति ने वेव सिटी थाने में अपनी पत्नी के खिलाफ तहरीर देकर मामला दर्ज करवाया है। पीड़ित का नाम सौरभ सिंह है। वो वेव सिटी के ओकवुड एनक्लेव अपार्टमेंट में रहते हैं। उनकी पत्नी का नाम अंकिता सिंह है। सौरभ सिंह ने थाने में दी गई तहरीर में अपनी पत्नी पर गंभीर

आरोप लगाया। उन्होंने अपनी तहरीर में कहा कि उनकी पत्नी ने उन पर जानलेवा हमला किया।

पत्नी ने जान से मारने की धमकी दी

पीड़ित पति ने कहा कि 24 अगस्त की सुबह उनकी पारिवार की बात को लेकर पत्नी से बहस और कहासुनी हो गई। इस दौरान उनकी पत्नी ने उन पर जानलेवा हमला कर दिया और जान से मारने की धमकी भी दी। पत्नी से जिस समय कहासुनी हो रही थी, उसी वक्त गैस पर चाय रखी थी जो खौल रही थी। पत्नी खौलती हुई चाय लाई और उनके ऊपर फेंक दी। इससे उनके सिर में सूजन आ गई और थोड़ी देर बाद नाक से खून आने लगा। खौलती हुई चाय से उनका चेहरा जल गया और उनके बाएं हाथ से सीने तक छाले पड़ गए।

पुलिस कर रही है मामले की जांच

पीड़ित ने कहा कि खौलती हुई चाय डालने के बाद पत्नी अपने सामान के साथ-साथ अलमारी में रखे 1।44 लाख रुपये भी अपने साथ लेकर गई।पीड़ित पति का आरोप है कि पत्नी ने पहले भी हमला किया है और झूठे आरोपों में फंसाने की कोशिश की है। पीड़ित पति की तहरीर के आधार पर पुलिस ने पत्नी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है। जांच-पड़ताल करके कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अयोध्या को प्राकृतिक खेती वाला जिला बनाया जाय : श्याम बिहारी गुप्ता

अयोध्या। उ.प्र. गोसेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता, महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी, उपाध्यक्ष गो सेवा आयोग महेश शुक्ला व जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे की उपस्थिति में विकास भवन सभागार में बैठक आयोजित की गयी। बैठक में अध्यक्ष गोसेवा आयोग श्याम बिहारी गुप्ता ने गोवंश आश्रय स्थलों पर संरक्षित गोवंश की अद्यतन स्थिति, वृहद गो संरक्षण केन्द्रों के निर्माण की प्रगति, पंजीकृत गोशालाओं, मुख्यमंत्री निराश्रित/बेसहारा गोवंश सहभागिता योजना की प्रगति, अवशेष निराश्रित गोवंश संरक्षण की प्रगति, चारागाह भूमि तथा हरा चारा उत्पादन की प्रगति, गो संरक्षण केन्द्रों में भूसा/हरा-चारा/साइलेज/दाना की नियमित आपूर्ति, गोवंश आश्रय स्थलों की सुरक्षा, वर्षा ऋतु में गोवंश आश्रय स्थलों में संरक्षित गोवंशों को वर्षा से बचाव तथा जल भराव से सुरक्षित रखने के उपाय सहित अन्य बिन्दुओं पर बिन्दुवार विस्तृत समीक्षा सम्बंधित अधिकारियों के साथ की।

विद्युत विभाग की समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सम्पन्न

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। कलेक्ट्रेट स्थित लोकसभागार में जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी की अध्यक्षता में विद्युत विभाग की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने जिले में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था, बिलिंग प्रतिशत और सुरक्षा मानकों की विस्तार से समीक्षा की।जिलाधिकारी ने कहा कि वर्तमान समय में बारिश और जलभराव की स्थिति के कारण विद्युत आपूर्ति पर विशेष सतर्कता बरती जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि कहीं भी विद्युत तार ढीले न रहें और इस पर लगातार निगरानी रखी जाए। यदि कहीं समस्या उत्पन्न होती है तो उसे तत्काल ठीक किया जाए, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना की संभावना न रहे।जिलाधिकारी ने बिलिंग व्यवस्था पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि बिलिंग का प्रतिशत हर हाल में निर्धारित मानक के अनुरूप रहना चाहिए। इसके लिए अधीनस्थ अधिकारी पूरी जिम्मेदारी से कार्य करें और उपभोक्ताओं के साथ संवाद स्थापित करते हुए समस्याओं का त्वरित समाधान करें।बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने विद्यालयों के ऊपर से गुजरने वाली विद्युत लाइनों को आवश्यक तैयारी पूर्ण कर शिफ्ट करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि यह कार्य प्राथमिकता के आधार पर प्रारम्भ कर समयबद्ध ढंग से पूरा किया जाए।इसके साथ ही जिलाधिकारी ने अन्य निर्माणाधीन परियोजनाओं में विद्युत विभाग के सहयोग पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि जनपद में संचालित महत्वाकांक्षी योजनाओं को समय से पूरा करने के लिए विद्युत विभाग से जो भी कार्य अपेक्षित हैं, उन्हें शीघ्र पूरा किया जाए। विशेष रूप से जल निगम (ग्रामीण) की परियोजनाओं पर विद्युत कार्यों को तत्काल पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अन्ना सुदन,प्रशिक्षु आई0ए0एस0 तेजस के0,अधीक्षण अभियन्ता इ0 राजबाला, इ0 राजेश कुमार (कार्यशाला) सहित अन्य अधिकारी एवं कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

गैर मर्दों की बाहों में झूलती है, पेट्रोल तो कभी चाकू लेकर... पत्नी की शिकायत लेकर पुलिस कमिश्नर के पास पहुंचा पति

आर्यावर्त संवाददाता

गाजियाबाद। दिल्ली से सटे यूपी के गाजियाबाद में एक युवक अपनी बीवी की इंस्टाग्राम लत से परेशान होकर पुलिस आयुक्त (पुलिस कमिश्नर) के पास आ पहुंचा। यहां उसने पुलिस से अपनी जान बचाने की गुहार लगाई। पति का आरोप है कि उसकी पत्नी को इंस्टाग्राम पर रील्स बनाने का ऐसा जुनून सवार हुआ कि वह अश्लील वीडियो बनाती है और विरोध करने पर उसे जान से मारने की धमकी देती है।

यह व्यक्ति लोनी से आया था। पुलिस आयुक्त के सामने फूट-फूटकर रोते हुए उसने अपनी जान बचाने की गुहार लगाई। पीड़ित पति ने पुलिस आयुक्त को कुछ वीडियो भी दिखाए। इन वीडियो में पत्नी कभी आत्महत्या की कोशिश करती दिखी,

तो कभी पेट्रोल छिड़ककर आग लगाने की धमकी देती नजर आई। एक वीडियो में वह चाकू लेकर अपने पति के पीछे दौड़ती भी नजर आई।

पीड़ित ने बताया कि 2009 में उनकी शादी हुई थी। 15 साल तक सब ठीक रहा। उनके दो बच्चे भी हैं, जिनकी उम्र 9 और 6 साल है। लेकिन 2024 में पत्नी को इंस्टाग्राम पर वीडियो अपलोड करने का जुनून सवार हो गया। इसके बाद से उसकी हरकतें बढ़ती जा रही हैं। उसे कुछ बोल दो तो हंगामा मचा देती है। लड़ती-झगड़ती तो है ही। मगर जान से मार डालने की धमकी भी देती है।

'फेमस होने के के लिए कुछ भी कर सकती है'

पति का आरोप है कि उसकी पत्नी रील बनाते वक्त दूसरे मर्दों की बाहों में झूलती और अश्लील हरकत करती है। विरोध करने पर पत्नी को धमकी देती ही है। मगर उसके वो दोस्त भी उसे जान से मार डालने की धमकी देते हैं। इस जुनून ने पत्नी को इतना अंधा कर दिया है कि वह लोकप्रियता पाने के लिए खुद को नुकसान पहुंचाने से भी नहीं हिचकती। इस मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

फोन हैक कर साइबर फ्रॉड, वापस हुई ठगी रकम

बाराबंकी। साइबर सेल, को ऑनलाइन शिकायती प्रार्थना पत्र हुआ, जिसमें साइबर अपराधियों द्वारा APK फाइल के माध्यम से फोन हैक कर आवेदक अनंत कुमार पुत्र कन्हैया लाल निवासी बेलहरा थाना मोहम्मद पुर खाला जनपद बाराबंकी के साथ 144844 रूपये का फ्रॉड होने का उल्लेख किया गया। पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी संगम कुमार के कुशल पर्यवेक्षण में संदर्भित प्रकरण में तत्काल साइबर क्राइम थाना द्वारा साइबर तकनीकी का प्रयोग कर संबंधित मर्चेंट से पत्राचार कर सम्पूर्ण धनराशि 144844 रूपये आवेदक के खाते में वापस कराया गया।

'इतनी गोली मारेंगे कि पहचान नहीं पाओगे...' झांसी जेल में बंद हिस्ट्रीशीटर की कारोबारी को धमकी

आर्यावर्त संवाददाता

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी में कानून-व्यवस्था पर एक बार फिर बड़ा सवाल उठता हुआ नजर आ रहा है। झांसी जेल में बंद हिस्ट्रीशीटर वीरेंद्र राजपूत का आतंक एक बार फिर सामने आया है। जेल की सलाखों के पीछे रहते हुए भी उसकी दबंगई अभी भी कम नहीं हुई है। उसने मोटर पार्ट्स कारोबारी को जेल में बंद रहते हुए फोन कर धमकी दी।

वीरेंद्र राजपूत ने मोटर पार्ट्स कारोबारी को फोन पर धमकी देते हुए कहा, "तुम्हारी वजह से गोली खानी पड़ी, अब इतनी गोली मरवाऊंगा कि शक्ल पहचान नहीं पाओगे।" इस धमकी भरे कॉल से कारोबारी सहम गया है। पुलिस महकमे में भी हड़कंप मच गया। पूरा मामला यह है कि चिरगांव के पहाड़ी चुंगी निवासी कारोबारी अनिल कुमार जैन मोटर पार्ट्स की दुकान चलाते हैं।

कारोबारी और हिस्ट्रीशीटर में 4 माह पहले हुआ था विवाद

26 अप्रैल को हिस्ट्रीशीटर वीरेंद्र राजपूत ने एक महिला के साथ जबरन अश्लील फोटो खींची और तमंचा तानकर कारोबारी से 15 लाख रुपए की रंगदारी मांगी थी। मामले में पीड़ित ने तत्काल चिरगांव थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस और स्वाट टीम ने 5 मई को वीरेंद्र को मुठभेड़ में पकड़ लिया था। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की गोली उसके पैर में लगी और उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था।

हालांकि जेल में बंद रहने के बावजूद वीरेंद्र की दबंगई अभी भी कम नहीं हुई है। कारोबारी का आरोप है कि आठ अगस्त को प्रताप डेरा निवासी वीरेंद्र ने सीधे जेल से उनको फोन किया और कहा, जेल में आकर मुलाकात कर लो, वरना परिवार सहित जान से मार दूंगा। 46 सेकेंड की रिकॉर्डिंग में वह ठेठ बुंदेलखंडी अंदाज में मुठभेड़ के लिए कारोबारी को जिम्मेदार ठहराते हुए धमकाता सुना जा सकता है।

कारोबारी में खौफ, सिस्टम पर उठे सवाल

पीड़ित अनिल कुमार का कहना है कि इससे पहले भी वीरेंद्र ने जेल से कॉल कर धमकी दी थी, लेकिन डर के कारण वह खुलकर सामने नहीं आए। अब बार-बार मिल रही धमकियों से उनका परिवार दहशत में है। सवाल यह है कि जेल में बंद हिस्ट्रीशीटर के पास मोबाइल कैसे पहुंचा? कहीं जेल में ही उसकी दबंगई को परोक्ष समर्थन तो नहीं मिल रहा? बता दें कि मंगलवार को कारोबारी की तहरीर पर चिरगांव पुलिस ने वीरेंद्र राजपूत के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। एसपी ग्रामीण डॉ। अरविंद कुमार ने बताया कि संभावना है आरोपी ने कोर्ट पेशी के दौरान किसी से मोबाइल लेकर कॉल किया होगा। पुलिस कॉल डिटेल और लोकेशन की जांच कर रही है। वहीं, जेल प्रशासन पर भी सवाल उठ रहे हैं कि आखिर कैदी तक फोन कैसे पहुंचा।

सलाखों के पीछे भी कायम दबंगई

वीरेंद्र राजपूत झांसी और आसपास के इलाकों का कुख्यात हिस्ट्रीशीटर माना जाता है। रंगदारी, लूट, धमकी और मारपीट जैसे कई संगीन मामलों में उसका आपराधिक इतिहास रहा है। पुलिस की गोली खाने के बाद जेल भेजे जाने को लोग उसकी दबंगई का अंत मान रहे थे, लेकिन अब जेल से ही धमकी भरे कॉल आने पर उसकी गुंडई का नया चेहरा सामने आ गया है।

संभल में बचे हैं सिर्फ 15% हिंदू, आयोग ने सीएम योगी को सौंपी हिंसा की रिपोर्ट

आर्यावर्त संवाददाता

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल की डेमोग्राफी को लेकर एक चौंकाने वाली रिपोर्ट आई है। इसके मुताबिक, संभल में केवल 15 प्रतिशत हिंदू बचे हैं। बाकी सब पलायन कर गए। आजादी के बाद संभल नगर पालिका में 45% हिंदू थे। इसके बाद से यहां की डेमोग्राफी बदलती गई। तीन सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग की रिपोर्ट में ये बात सामने आई है। आयोग के सदस्य पूर्व डीजीपी एके जैन ने कहा कि सीएम योगी को आज सुबह 10 बजे रिपोर्ट सौंप दी गई। ये पूरी तरह से गोपनीय रिपोर्ट है।

संभल हिंसा के बाद न्यायिक आयोग का गठन किया गया था। 24 नवंबर, 2024 को क्षेत्र में हिंसा भड़की थी। संभल में मस्जिद में सर्वे करने के दौरान हिंसा हुई थी। न्यायिक आयोग में इलाहाबाद हाई कोर्ट के

रिटायर्ड जस्टिस देवेंद्र कुमार अरोड़ा और रिटायर्ड IAS अमित मोहन, रिटायर्ड IPS अरविंद कुमार जैन थे। आज न्यायिक आयोग की टीम ने सीएम योगी से मुलाकात कर गोपनीय जांच रिपोर्ट सौंपी दी है।

रिपोर्ट में क्या-क्या?

दंगों में विदेशी हथियार मिले थे। रिपोर्ट में मेड इन USA हथियार मिलने की बात है। सूत्रों के मुताबिक, रिपोर्ट में लव जिहाद, दंगे और सामाजिक गतिविधियों से धर्मांतरण का भी जिक्र है। सूत्रों के मुताबिक, पठान तुर्क में आपसी संघर्ष में संभल हमेशा से जलता रहा। 1947 से हर दंगे में सिर्फ हिंदू मारे जा रहे थे। इस बार भी हिंदुओं को मारने की प्लानिंग थी। दंगा करने के लिए भीड़ को बाहर से बुलाया गया था। हिंदू मोहल्ले में पुलिस की मौजूदगी के कारण हिंदू बच गए थे। तुर्क पठानों ने पुरानी रंजिश में दंगों के दौरान एक दूसरे को मारा।

22 नवंबर को नमाजियों को संबोधित करते सांसद ज़िया-उर-रहमान बर्क ने कहा था, हम पुलिस प्रशासन सरकार से दबने वाले थोड़ी हैं। अरे हम इस देश के मालिक हैं। नौकर, गुलाम नहीं हैं। उन्होंने कहा कि मैं खुले रूप से कह रहा हूं कि, मस्जिद थी, मस्जिद है, इंशा-अल्ला मस्जिद रहेगी कयामत तक। जिस तरह अयोध्या में हमारी मस्जिद ले ली गई, वैसा यहां नहीं होने देंगे।

रिपोर्ट पर वीएचपी ने क्या कहा?

रिपोर्ट पर VHP के विनोद बंसल ने कहा कि इसकी और डिटेल्स आएंगी लेकिन ये बात किसी से छुपी नहीं है कि हिंदुओं को किस तरह से एक बार नहीं अनेक बार इस्लामिक जिहादियों ने निशाना बनाया है। आजादी के बाद से कई बार निशाना बनाया गया। यही वजह है कि हिंदू पलायन करने को मजबूर हैं।

मौलाना साजिद रशीदी ने रिपोर्ट को बताया बायस्ड

संभल की रिपोर्ट पर मौलाना साज़िद रशीदी ने कहा कि संभल हिंसा पर मुख्यमंत्री योगी ने एक कमेटी बनाई थी। इस कमेटी ने आज अपनी रिपोर्ट सौंपी है। उस रिपोर्ट में कहा गया कि पहले यहां 45% हिंदू थे और अब 15% रह गए हैं। लोगों ने दंगों की वजह से पलायन किया है यह बायस्ड रिपोर्ट है। उन्होंने कहा कि मैं समझता हूं कि यह दंगा और नफरत फैलाने के लिए है। इसकी वजह से फिर संभल में दंगे भड़केंगे। फिर हिंदू-मुसलमान होगा।

हिंसा में कितने लोग मारे गए थे

इस हिंसा में कम से कम 5 लोग मारे गए थे। मस्जिद के सर्वेक्षण का आदेश एक स्थानीय अदालत ने 19 नवंबर को दिया था, जब एक याचिका में दावा किया गया था कि 1526 में मस्जिद बनाने के लिए एक मंदिर को ध्वस्त कर दिया गया था। यह आदेश चंदौसी के सिविल जज (वरिष्ठ प्रभाग) आदित्य सिंह की अदालत ने पारित किया था। पहला सर्वेक्षण 19 नवंबर को हुआ था। 24 नवंबर को दूसरे सर्वेक्षण के दौरान हिंसा भड़क उठी थी।

जमीनी विवाद में बेटे ने कुल्हाड़ी से किया पिता की हत्या

आर्यावर्त संवाददाता

अयोध्या। गुरुवार सुबह जमीनी विवाद में बेटे ने कुल्हाड़ी से हमला कर अपने पिता की हत्या कर दी। मामला बीकापुर कोतवाली क्षेत्र के सेतुतारा गांव का है। यहां 60 वर्षीय मेलादीन प्राथमिक विद्यालय में सफाई कर रहे थे। तभी उनके छोटे बेटे श्यामराज ने उन पर कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ वार कर दिया। सिर और पीठ पर गहरी चोट लगने से मेलादीन की मौके पर ही मौत हो गई। परिवार और ग्रामीणों ने बताया कि मेलादीन के दो बेटे हैं। बड़े बेटे रामऔतार के साथ वे रहते थे, जबकि छोटा बेटा श्यामराज अलग परिवार के साथ रहता है। मेलादीन के पास लगभग दो बीघा खेत और कुछ सड़क किनारे जमीन थी। एक साल पहले 5 बिस्वा जमीन बेचने पर पैसा बड़े बेटे के पास चला गया, इसी को लेकर छोटे बेटे से विवाद चल रहा था। बुधवार को भी पिता-पुत्र में विवाद हुआ था और श्यामराज ने धमकी दी थी। गुरुवार

सुबह उसने प्राथमिक विद्यालय परिसर में ही पिता की हत्या कर दी। घटना के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। ग्रामीणों का कहना है कि छोटा बेटा पूरे खेत को अपने नाम कराना चाहता था। एसपी ग्रामीण ने बताया कि मेलादीन की अपने सगे बेटे से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। इसी आवेश में आकर आज सुबह उसने कुल्हाड़ी से पिता पर हमला कर दिया। जिससे उनकी मौत हो गई है। कुल्हाड़ी को बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

हफ्ते भर में गायब हो जाएगी महीनों से जमा टैनिंग, अगर हर रोज कर लिया ये एक काम

अगर आप भी महीनों से जमा जिद्दी टैनिंग को अपनी त्वचा से हटाना चाहते हैं तो हमारा नुस्खा आजमाकर देख लें।

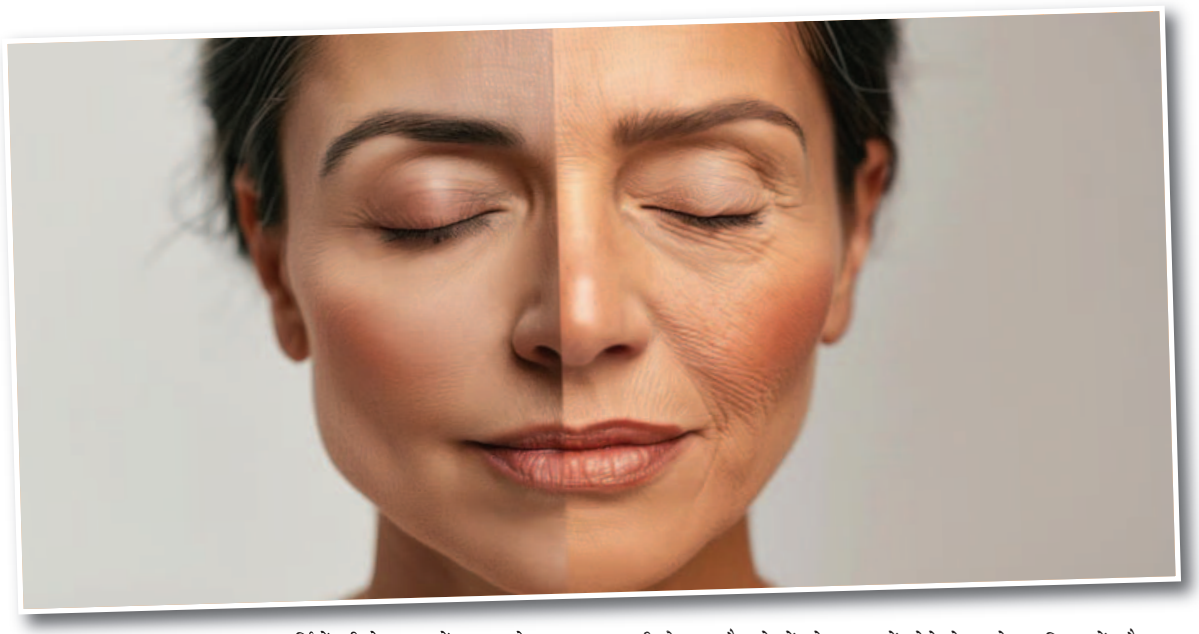

गर्मियों की तेज धूप में घूमना हो या सर्दियों की हल्की धूप में, टैनिंग से बचना हर किसी के लिए बेहद नामुमकिन है। टैनिंग की वजह से धीरे-धीरे स्किन अपनी चमक खो देती है और कई नुस्खों को ट्राई करने के बावजूद भी महीनों तक वो जमी हुई टैनिंग हटती ही नहीं। महंगे क्रीम और ट्रीटमेंट ट्राई करके भी जब कुछ असर न हो, तो एक सिंपल घरेलू नुस्खा आपकी स्किन को फिर से निखार सकता है।

ऐसे में आज हम आपको बताएंगे एक ऐसा आसान काम, जो अगर आप हर रोज करें, तो आपकी महीनों की जमी टैनिंग सिर्फ 7 दिनों में साफ हो सकती है वो भी बिना किसी केमिकल या खर्चे के। इसके लिए आपको न तो पैसे खर्चने पड़ेंगे और न ही त्वचा पर ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी।

तो ये है वो एक काम

जिस आसान टिप्स से हम आपको टैनिंग हटाने की सलाह दे रहे हैं वो है कच्चे दूध का इस्तेमाल करना। जी हां। सिर्फ कच्चे दूध को हर दिन अपनी स्किन पर लगाने से आप जिद्दी से जिद्दी टैनिंग को भी गायब कर सकते हैं।

ऐसे करें इस्तेमाल

इसका इस्तेमाल काफी आसान है। इसके लिए आपको सबसे पहले कॉटन बॉल को कच्चे दूध में भिगोना है। अब इस रुई को चेहरे से लेकर हाथ-पैर और गर्दन पर अप्लाई करना है। इसकी मदद से आपकी पूरी स्किन पर कच्चा दूध बेहद आसानी से लग जाएगा।

अब 15 मिनट के लिए अपनी त्वचा को ऐसे ही छोड़कर फिर सादे पानी से हाथ-पैर धो लें। ऐसा रात में सोने से पहले हर दिन करें और एक हफ्ते में फर्क देखें। ये टैनिंग के अलावा आपकी स्किन की कई अन्य दिक्कतों को भी दूर करता है। आइए इस बारे में भी जान लेते हैं।

1. स्किन टोन निखारता है

यदि आप नियमित रूप से कच्चे दूध का इस्तेमाल हाथ-पैरों और चेहरे पर करेंगे तो इससे आपकी त्वचा की टैनिंग पूरी तरह निकल जाएगी। टैनिंग निकलने के बाद स्किन टोन अपने आप ही एक शेड लाइट हो जाती है। इसकी वजह से त्वचा का स्कन टोन अपने आप ही खिल जाता है।

2. डेड स्किन हटाता है

कच्चे दूध में पाए जाने वाले तत्व त्वचा पर जमी डेड स्किन को भी जड़ से हटाने का काम करते हैं। इसके नियमित इस्तेमाल से धीरे-धीरे डेड स्किन सेल्स निकलने लगती हैं और नई त्वचा बाहर आती है। इससे भी चेहरा एकदम से खिल उठता है।

3. त्वचा की रंगत समान करता है

अगर आपकी त्वचा भी अनइवन है यानी कि अगर आपकी स्किन भी कहीं से चमकदार और कहीं से पैचेज वाली है, तो कच्चा दूध उसे एक समान बनाता है। समान त्वचा पाने के लिए भी आपको नियमित रूप से कच्चे दूध को इस्तेमाल करना जरूरी है।

वजन कम करने के दौरान कुछ लोगों की शिकायत होती है कि उनका वजन कम नहीं हो रहा है। इसके पीछे की वजह हो सकती हैं। सोशल मीडिया पर एक न्यूट्रिशनिस्ट ने एक वीडियो शेयर कर 4 ऐसी गलतियां बताई हैं, जिन्हें करने से वजन घटाने की जर्नी में मुश्किल आती है।

लाख कोशिशों के बाद भी नहीं कम हो रहा वजन, ये 4 गलतियां हो सकती है वजह

वजन कम करने के लिए लोग टाइट और एक्सरसाइज का सहारा लेते हैं। ये दोनों तरीके वजन कम करने में काफी मदद करते हैं। लेकिन वहीं, कुछ लोगों की शिकायत रहती है कि डाइट और वर्कआउट के बाद भी उनका वजन कम नहीं हो रहा है। इसकी कई वजह हो सकती हैं, जो लोग अक्सर अपनी वेट लॉस जर्नी के दौरान करते हैं। ये गलतियां उन्हें आम लगती हैं लेकिन वो नहीं जानते हैं कि छोटी-छोटी की गई ये गलितयां उनकी वेट लॉस जर्नी में बाधा बन सकती हैं।

हाल ही में न्यूट्रिशनिस्ट अमाका ने एक वीडियो शेयर कर 4 ऐसी गलतियां बताई जिनकी वजह से कुछ लोगों का वजन जल्दी कम नहीं हो पा रहा है। अगर आप भी इस समस्या से जूझ रहे हैं तो ये आर्टिकल आपके लिए है। चलिए आपको भी बताते हैं कि कौन सी 4 गलतियां आपकी वेट लॉस जर्नी में बाधा डाल रही है।

वेट लॉस के लिए खाना छोड़ देना

कुछ लोग वेट लॉस के लिए खाना खाना ही छोड़ देते हैं। लेकिन न्यूट्रिशनिस्ट अमाका के मुताबिक, ये आपकी हेल्थ पर उल्टा असर कर सकता है। क्योंकि खाना छोड़ने के बाद आपकी भूख और ज्यादा बढ़ जाएगी, जिससे आप एक बार में ओवरईटिंग कर सकते हैं। ये आपके मेटाबॉलिज्म पर नेगेटिव प्रभाव डाल सकता है। ऐसे में आपको दिनभर में बॉडी की जरूरत के हिसाब से कैलोरी लेनी चाहिए और खाना छोड़ने के बजाय संतुलित मात्रा में डाइट लेनी चाहिए।

चीट डे करना

कुछ लोग हफ्ते भर वर्कआउट और डाइटिंग करने के बाद 1 दिन निकालते हैं, जिसे वो चीट डे कहते हैं। इसमें वो अपनी पसंद की सभी चीजें खाते हैं। ये बहुत बड़ी गलती है। ऐसा करने से ये आपके पूरे हफ्ते की गई मेहनत पर पानी फेर सकती है। अमाका कहती हैं कि, अगर आप सोमवार से शुक्रवार तक बहुत ज्यादा सख्त हैं और फिर शनिवार-रविवार को ज्यादा खाते हैं, तो आप अपनी मेहनत को बर्बाद कर रहे हैं।

गलत हेल्दी स्नैक्स चुनना

ग्रेनोला बार, नट्स, कम फैट वाले बिस्कुट और प्रोटीन बार सिर्फ दिखने में ही हेल्दी लगते हैं। इन चीजों में भी कैलोरी की मात्रा अच्छी खासी होती है। अमाका के अनुसार, "बिना सोचे-समझे स्नैक्स खाने से दिन में 500 से ज्यादा कैलोरी बढ़ सकती हैं, इसलिए इन स्नैक्स को ध्यान से खाएं। अगर आप स्नैक्स खा भी रहे हैं, तो अपनी मात्रा का ध्यान रखें और उन्हें अपनी डेली कैलोरी की मात्रा के अनुसार ही खाएं।

रोजाना वजन मापना

वजन कम करना एक स्लो प्रोसेस है जो रातोंरात नहीं होती, इसलिए आपको रोजाना अपना वजन चेक करना और नतीजों के न मिलने पर चिंता करना बंद कर देना चाहिए। इससे निराशा होती है और कई लोग अक्सर जल्दी नतीजे न मिलने पर हार मान लेते हैं। ऐसे में आप रोजाना अपने वजन को नापने की गलती न करें।

शादी का लहंगा तैयार हो गया है तो ट्रायल के समय रखें इन बातों का ध्यान

शादी का दिन हर लड़की की जिंदगी का सबसे खास दिन होता है। इसीलिए दुल्हन का लहंगा जितना खूबसूरत होना चाहिए, उतना ही आरामदायक और परफेक्ट फिटिंग वाला भी होना चाहिए। सिर्फ डिजाइन और कलर नहीं, बल्कि फिटिंग, फॉल, वॉल्यूम, ब्लाउज़ की कटिंग और दुपट्टे की ड्रेपिंग तक इन सभी चीजों का सही होना बेहद जरूरी है।

अक्सर दुल्हनें लहंगा ट्रायल को हल्के में ले लेती हैं, जिससे शादी के दिन असहजता महसूस होती है। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि शादी का लहंगा ट्राय करते समय किन जरूरी बातों का ध्यान रखना चाहिए, ताकि आपके सबसे खास दिन पर हर चीज बिल्कुल परफेक्ट हो

फिटिंग देखें

शादी का लहंगा बनकर आ गया है तो सबसे पहले लहंगे के साथ-साथ उसके ब्लाउज की भी फिटिंग अच्छे से देख लें। लहंगे की कमर से लेकर ब्लाउज की फिटिंग भी अच्छी तरह से चेक करें। चलते, बैठते और झुकते समय ये चेक करें कि कहीं टाइट या लूज तो नहीं। अगर कोई दिक्कत लग रही है तो तुरंत इसे सही करने भेज दें।

कैन-कैन चेक करें

लहंगे में घेर और वॉल्युम के लिए आजकल केन-केन लगाया जाता है। कई लहंगों में तो काफी ज्यादा कैन-कैन लगता है। इसलिए एक बार पहले ही पहनकर देख लें कि लहंगे के अंदर लगा कैन-कैन सही से फैला है या नहीं ये देखें। अगर लहंगा फ्लेयर में भारी लग रहा है, तो कैन-कैन को हल्का करवाएं। उठ-बैठकर भी देख लें क्योंकि हैवी कैन-कैन में भी बैठने में काफी दिक्कत होती है।

दुपट्टा सेटिंग चेक करें

दुपट्टा आपको किस तरह से रखना है ये भी ट्रायल के समय ही फाइनल करें। कई बार आखिरी समय में दुपट्टे को अलग तरह से डाला जाए तो ज्वेलरी का लुक भी बिगड़ जाता है। इसलिए ट्रायल के समय ही दुपट्टा पिन करवा कर देखें कि आप आराम से चल और घूम सकती हैं या नहीं।

फिनिशिंग देखें

लहंगा ट्रायल करते समय अच्छी तरह चेक करें कि लहंगे की फिनिशिंग अवश्य चेक करें। अगर कहीं से धागे निकल रहे हों, स्टोन या सीक्विन ढीले हों तो तुरंत सिलाई करवाएं। ट्रायल के समय जूम करके हर डिटेल जरूर देखें।

ज्वेलरी और फुटवियर के साथ लें ट्रायल

कभी भी लहंगे का ट्रायल ऐसे ही न लें। अपने ब्राइडल लहंगे को हमेशा उसी फुटवियर के साथ ट्राई करें, जिसे आप शादी में पहनने वाली हैं। अगर संभव हो तो ज्वेलरी भी साथ ट्राय करें ताकि पूरा लुक समझ में आए। इससे आपको पता लग जाएगा, कि आपका फाइनल लुक कैसा है।

क्या शादी में मिले कैश गिफ्ट पर भी टैक्स लगता है?आईटीआर भरने से पहले जान लें नियम

वित्त वर्ष 2024-25 के लिए इनकम टैक्स रिटर्न भरने की आखिरी तारीख 15 सितंबर है। अगर आपको भी शादी में गिफ्ट के तौर पर कैश मिला है और यह जानना चाहते हैं कि उस पर टैक्स लगेगा या नहीं, तो यह खबर आपके लिए ही है।

भारत में शादी किसी उत्सव से कम नहीं होती है। या यूं कहें कि उत्सव से भी कहीं ज्यादा रौनक शादियों में होती है। सब अपनी क्षमता के हिसाब से शादियों को यादगार बनाने की कोशिश करते हैं। उनके कई तरह के गिफ्ट भी मिलते हैं। तो आइए आज हम आपको बताते हैं कि शादी में मिले कैश में गिफ्ट पर टैक्स के क्या नियम हैं। आईटीआर फाइल करने से पहले नियम जरूर जान लें।

शादियों में गिफ्ट का चलन बहुत आम है। गिफ्ट कई बार बहुत महंगे भी होते हैं। क्योंकि गिफ्ट अगर कैश के तौर पर मिलता है तो इनकम टैक्स विभाग को उसके बारे में जानकारी देना जरूरी होता है। आईटीआर में कहां से कितना रुपया मिला है। गिफ्ट किसने दिया है। इसके बारे में विभाग को बताना जरूरी होता है।

गिफ्ट पर लगता है टैक्स?

इनकम टैक्स अधिनियम 1961 के तहत शादी में मिले गिफ्ट पर किसी भी तरह का कोई टैक्स नहीं लगता है। लेकिन, उसके बारे में विभाग को आईटीआर में बताना जरूरी होता है। शादी के अलावा भी उपहार पर टैक्स नहीं लगता है। लेकिन, वह उपहार माता-पिता, भाई बहन या जीवनसाथी ने दिया हो तभी टैक्स से छूट मिलती है।

अगर आपको अपनी शादी में 10 लाख रुपये का टैक्स मिलता है तो इनकम टैक्स अधिनियम 1961 की धारा 56 के तहत गिफ्ट टैक्स फ्री हैं। इसमें रिश्तेदारों से प्राप्त उपहार, गैर-रिश्तेदारों से प्राप्त 50,000 रुपये तक के उपहार, उत्तराधिकार या वसीयत के माध्यम से उपहार शामिल हैं। साथ ही, विवाह के अवसर पर प्राप्त उपहार, जिनमें नकद, सोना और यहां तक कि यूपीआई या बैंक हस्तांतरण तो टैक्स फ्री हैं ही।

शादी से मिले गिफ्ट के लिए आईटीआर फाइलिंग

नियम के अनुसार शादी में मिले गिफ्ट पर कोई टैक्स नहीं लगता है। फिर भी उन्हें आपके आईटीआर फाइलिंग में घोषित किया जाना चाहिए। शादी के तोहफे को आय माना जाता है और जोड़ों को आईटीआर-2 या आईटीआर-3, जो भी लागू हो उसमें इसकी जानकारी देना जरूरी होता है।

ठगों ने रिटायर्ड विंग कमांडर को 36 दिन तक घर में बनाया कैदी, ऐसे लूट लिए 3.22 करोड़ रुपए

नोएडा। साइबर अपराध की दुनिया का एक ऐसा हैरतअंगेज मामला सामने आया है, जहां अपराधियों ने एक पूरे परिवार को उन्हीं के घर में 36 दिनों तक कैदी बनाकर रखा और उनसे 3.22 करोड़ रुपये की ठगी कर ली। हैरानी की बात यह है कि इस 'डिजिटल अरेस्ट' का शिकार कोई आम नागरिक नहीं, बल्कि भारतीय वायु सेना के एक रिटायर्ड विंग कमांडर हुए हैं, जिन्हें खुद अपराध से निपटने की ट्रेनिंग मिली होती है। यह घटना उत्तर प्रदेश के नोएडा की है।

एक फोन कॉल और गिरफ्तारी का डर

नोएडा के सेक्टर 25 में रहने वाले रिटायर्ड विंग कमांडर सुबीर मित्रा और उनके परिवार का यह खौफनाक अनुभव 18 जुलाई को एक फोन कॉल से शुरू हुआ। फोन करने वाले ने खुद को एक टेलीकॉम कंपनी का कर्मचारी बताते हुए दावा किया कि सुबीर के आधार कार्ड का दुरुपयोग कर अवैध गतिविधियां की जा रही हैं। ठग ने उन्हें बताया कि उनके नाम पर लिए गए सिम से लोगों को अश्लील तस्वीरें और अवैध विज्ञापन भेजे जा रहे हैं। बात को असली दिखाने के लिए उन्हें वीडियो कॉल पर फर्जी मुंबई क्राइम ब्रांच के अधिकारियों से भी जोड़ा गया।

मनी लॉन्ड्रिंग का जाल और फर्जी वारंट

ठगों ने विंग कमांडर को बताया कि उनके नाम पर खोले गए एक बैंक खाते का इस्तेमाल जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल से जुड़े एक हाई-प्रोफाइल मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हुआ है। उन्होंने सुबीर को एक फर्जी गिरफ्तारी वारंट भी दिखाया और तुरंत मुंबई आने का दबाव बनाया, जिससे पूरा परिवार बुरी तरह घबरा गया।

इस तरह किया 'डिजिटल अरेस्ट'

परिवार को डरा हुआ देखकर ठगों ने अपनी अगली चाल चली। उन्होंने कहा कि अगर वे जांच में सहयोग करते हैं तो गिरफ्तारी से बच सकते हैं, लेकिन शर्त यह है कि उन्हें अपने पूरे परिवार के साथ घर में ही लगातार निगरानी में रहना होगा और इस बात की भनक किसी को नहीं लगनी चाहिए। इस तरह सुबीर, उनकी पत्नी केया और बेटी मलोबिका ठगों के बुने मनोवैज्ञानिक जाल में फंस गए और 36 दिनों तक अपने ही घर में कैदी बन गए। इस दौरान उन्हें सिर्फ दो बार जरूरी काम से बाहर जाने की इजाजत दी गई।

ऑनलाइन सुनवाई का नाटक और ठगी

ठगों ने एक ऑनलाइन सुनवाई का नाटक भी रचा, जिसमें सुबीर को एक फर्जी मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया। यहां उनसे कहा गया कि अगर वे मामले में 'क्लीन चिट' चाहते हैं तो उन्हें अपनी सारी जमा-पूंजी का सत्यापन कराना होगा। इसी बहाने उनसे पैसों की मांग शुरू हुई। डर और दबाव में आकर सुबीर ने 22 जुलाई से 22 अगस्त के बीच छह किस्तों में अपने जीवन भर की कमाई, कुल 3.22 करोड़ रुपये, अपराधियों के बताए खातों में ट्रांसफर कर दिए।

जब ठगों की पैसों की मांग बढ़ती गई तो परिवार को शक हुआ। उन्होंने अपने पैसे वापस मांगे तो अपराधियों ने उनसे संपर्क तोड़ लिया। तब जाकर परिवार को एहसास हुआ कि वे एक संगठित साइबर ठगी के शिकार हो चुके हैं। इसके बाद उनकी बेटी ने तुरंत एनसीआरपी पोर्टल और साइबर क्राइम थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है।

पिक्चर अभी बाकी है! भारत की मजबूती देख अमेरिका के बदले तेवर, टैरिफ पर करना चाहता है बातचीत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के बीच इस के रिश्तों में टैरिफ के कारण काफी तल्खी आ चुकी है। इसके अलावा इस तल्खी के पीछे की वजह अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की तरफ से भारत-पाकिस्तान संघर्ष को लेकर की जा रही बयानबाजी को माना जा रहा है। अमेरिका के टैरिफ पर भारत ने अपना कोई रिएक्शन नहीं दिया है। यही कारण है कि भारत की चुप्पी अब अमेरिका को खलने लगी है। यही कारण है कि यूएस की तरफ से एक बार फिर बातचीत का इशारा किया गया है।

अमेरिका ने 27 अगस्त से भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ की शुरुआत कर दी है। इसके बाद अमेरिका चाहता है कि इस पूरे मामले पर भारत आकर बातचीत करें। यही कारण है कि अमेरिका ने बातचीत का इशारा किया है। अमेरिका इस मुद्दे पर भारत

सरकार के टॉप लेवल के साथ बातचीत फिर शुरू करना चाहता है।

बातचीत को लेकर भेजा संकेत

भारत के सख्त रुख के बाद अमेरिकी प्रशासन ने संकेत भेजा है। भारत विरोधी बयानों को दबाव की रणनीति का हिस्सा बताया है। बातचीत शुरू नहीं होने पर भारत से जुड़े दूसरे क्षेत्रों में भी अमेरिका ने एक्शन की धमकी दी है।

अमेरिका भारत को किसी भी हालत में अपने से अलग नहीं करना चाहता है। यही कारण है कि इतना सब हो जाने के बाद भी दोबारा बातचीत के संकेत दिए गए हैं। अमेरिका भारत को सहयोगी के रूप में बनाए रखना चाहता है।

भारत के साथ रिश्ते सुधारना चाहता US

अमेरिका ने जापान , दक्षिण कोरिया जैसे देशों पर भी डील के लिए दबाव डाला था। रूस और चीन के साथ भारत के बढ़ते संबंधों से अमेरिका ने अपनी रणनीति बदल दी है। अमेरिका का संदेश है कि पहले आगे बढ़े भारत फिर ट्रंप भी अपना तेवर बदलेंगे। इस बयान से साफ है कि इस टैरिफ विवाद को लेकर ट्रंप भी खुलकर बातचीत करना चाहते हैं और भारत के साथ चल रही इस तल्खी को खत्म करना चाहते हैं।

रूस से तेल खरीदारी पर लगाया भारत पर टैरिफ

भारत अपनी तेल भंडारण का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा रूस से खरीदता है। अमेरिका को इस खरीदारी पर नाराजगी है। यही कारण है कि पहले ट्रंप ने खरीदारी बंद करने की बात कही थी। हालांकि भारत ने रूस से खरीदारी जारी रखी। इससे गुस्साए ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ का ऐलान किया था। ट्रंप ने कहा था कि भारत के तेल खरीदने से रूस को पैसा मिल रहा है और वह इस पैसे का इस्तेमाल यूक्रेन के खिलाफ कर रहा है।

जिस जॉर्ज सोरोस से कांग्रेस की मिलीभगत के आरोप लगाती है भाजपा, उसके खिलाफ ट्रंप ने क्यों कही एक्शन की बात

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारत में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी लगातार अमेरिकी अरबपति जॉर्ज सोरोस पर कांग्रेस से मिलीभगत के आरोप लगाती रही है। बीजेपी का कहना है कि भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने की साजिश करने वालों में जॉर्ज सोरोस भी शामिल हैं। अब यही जॉर्ज सोरोस अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भी निशाने पर आ गए हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अरबपति फाइनेंसर और डेमोक्रेटिक पार्टी को बड़ी रकम देने वाले डोनर जॉर्ज सोरोस और उनके बेटे पर RICO कानून (Racketeer Influenced and Corrupt Organizations Act) के तहत मुकदमा चलना चाहिए।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि, जॉर्ज सोरोस और उनका रेडिकल लेफ्टपंथी बेटा, अमेरिका भर में हिंसक प्रदर्शनों और कई और गड़बड़ियों को सपोर्ट करते हैं। इन्हें RICO के तहत सज़ा मिलनी चाहिए। इनके पागल वेस्ट कोस्ट वाले दोस्त भी शामिल हैं। सावधान रहो, हम देख रहे हैं!हालांकि उन्होंने अपने आरोपों के समर्थन में कोई सबूत पेश नहीं किया। सोरोस की संस्था ओपन सोसाइटी फाउंडेशन्स के प्रवक्ता ने ट्रंप के आरोपों को खारिज कर दिया है। संस्था की तरफ से कहा गया है कि ये आरोप बेबुनियाद और झूठे हैं। हमारी संस्था कभी हिंसक प्रदर्शनों को सपोर्ट नहीं करती है। हमारा मकसद मानाविधकार, न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों को आगे बढ़ाना है।

सोरोस, जो 95 साल के हैं लंबे समय से ट्रंप और उनकी कंजरवेटिव राजनीति के लिए खलनायक की तरह माने जाते हैं। उनकी संस्था ओपन सोसाइटी फाउंडेशन्स दुनिया की सबसे बड़ी परोपकारी संस्थाओं में से एक है, जो मानवाधिकार, पारदर्शिता, पब्लिक हेल्थ और शिक्षा जैसे कामों को फंड करती है।

अपने विरोधियों को टारगेट कर रहे ट्रंप

Reuters की खबर के मुताबिक ट्रंप इन दिनों राजनीतिक विरोधियों, मीडिया संगठनों और लॉ फर्म्स के खिलाफ मुकदमों और धमकियों का सहारा ले रहे हैं। उन्होंने अपने पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन पर जांच की मांग की है। हाल ही में एफबीआई ने बोल्टन के घर पर राष्ट्रीय सुरक्षा जांच के सिलसिले में छापेमारी भी की।

इसी तरह ट्रंप ने अपने पुराने साथी और अब आलोचक बन चुके न्यू जर्सी के पूर्व गवर्नर क्रिस क्रिस्टी पर भी हमला बोला और कहा कि उनके खिलाफ 2013 के ब्रिजगेट मामले को फिर से खोला जाना चाहिए। उनके समर्थकों का कहना है कि यह ताकतवर लोगों को जवाबदेह ठहराने की कोशिश है, जबकि आलोचकों का मानना है कि यह असहमति की आवाज़ दबाने का खतरनाक तरीका है।

स्काई डोम और अंडरग्राउंड बंकरमुस्लिम देशों का सबसे सेफ कंट्री कैसे बन गया तुर्की

इस्तांबुल, एजेंसी। तुर्की अपनी सुरक्षा रणनीति को लेकर बड़े कदम उठा रहा है। राष्ट्रपति रेसेप तैय्यप एर्दोआन ने बुधवार को साफ कहा कि देश को आने वाले खतरों से निपटने के लिए पूरी तरह से अपने दम पर तैयार होना होगा। अंकारा में रक्षा कंपनी असलसान (Aselsan) के नए कैंपस के शिलान्यास कार्यक्रम में उन्होंने अपनी सेना को स्काई डोम सिस्टम सौंपा। 47 वाहनों से बने इस सिस्टम की कीमत 460 मिलियन डॉलर है।

एर्दोआन ने कहा कि जो देश अपना एयर डिफेंस सिस्टम नहीं बनाता, वो भविष्य को लेकर आत्मविश्वास नहीं रख सकता। ये बयान ऐसे समय आया है जब तुर्की चैनल NTV ने रिपोर्ट दी कि सरकार 81 प्रांतों में अंडरग्राउंड शेल्टर बनाने की योजना पर काम कर रही है। माना जा रहा है कि यह किसी बड़ी जंग की तैयारी का हिस्सा हो

सकता है।

तुर्की अब नई लीग में- एर्दोआन

एर्दोआन ने कहा कि स्टील डोम सिस्टम के साथ तुर्की वायु रक्षा में नई लीग में प्रवेश कर चुका है। इस सिस्टम में तीन हिसार (HISAR) मीडियम रेंज एयर डिफेंस यूनिट्स और 21 वाहन भी जोड़े जाएंगे, जिससे इसकी मारक क्षमता और बढ़ जाएगी।

अपने सहयोगियों को भी दे रहा हथियार

राष्ट्रपति ने यह भी बताया कि तुर्की अपनी रक्षा तकनीक सिर्फ अपने लिए नहीं बल्कि सहयोगी देशों को भी उपलब्ध करा रहा है। इससे उसकी कूटनीतिक ताकत और बढ़ रही है। तुर्की ने रक्षा उत्पादन में 83% स्थानीयकरण हासिल कर लिया है। उसकी तकनीक 185 देशों में इस्तेमाल हो रही है और सालाना निर्यात 7.5 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है।

मुस्लिम दुनिया के लिए मिसाल

तुर्की पूरी दुनिया में अपने प्रभाव को बढ़ाने में लगा है। सीरिया से लेकर पाकिस्तान तक तुर्की कई विवादों में अपनी टांग अड़ाता रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि स्काई डोम, स्टील डोम और अंडरग्राउंड बंकर जैसी योजनाओं से तुर्की मुस्लिम देशों में सबसे सुरक्षित राष्ट्र के रूप में सामने आ रहा है। एर्दोआन का यह कदम न सिर्फ सुरक्षा बल्कि राजनीति और कूटनीति के मोर्चे पर भी तुर्की की ताकत बढ़ाने वाला है।

ईरान के लोग राजधानी तेहरान को छोड़ इन इलाकों में क्यों खरीद रहे हैं घर?

तेल अवीव, एजेंसी। ईरान का इजराइल के साथ 12 दिनों की जंग को खत्म हुए तो 3 महीने से ज्यादा हो गया है। मगर इस जंग का असर सबसे ज्यादा ईरान के हाउसिंग मार्केट पर पड़ा है। देश का हाउसिंग मार्केट तो कई वर्षों पहले से ही महँगाई की मार झेल रहा था, अब इजराइल के हालिया हमलों और जंग के बाद गहरी मंदी में फँस गया है।

ईरान के हाउसिंग मार्केट में अब असली चुनौती केवल महँगाई नहीं, बल्कि सुरक्षा और स्थिरता बन गई है। राजधानी तेहरान के कई इलाकों से लोग घर खरीदने से कतरा रहे हैं और ज्यादा सेफ माने जाने वाले शहरों की ओर रुख कर रहे हैं।

जंग के बाद की तस्वीर

बीबीसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक 12 दिन की जंग के बाद ईरान की

राजधानी तेहरान में तेजी से हालात बदले हैं। जंग के दौरान कई हिस्सों पर हमले हुए, अचानक पलायन भी हुआ और नए हमलों की आशंका ने मकान बाज़ार को झटका दिया। पहले से ही लोगों की खरीदने की शक्ति गिर चुकी थी, ऊपर से सुरक्षा का डर इतना बढ़ गया कि उत्तर तेहरान जैसे पॉश इलाकों में भी मकानों के दाम 20 से 50 मिलियन तोमान प्रति वर्ग मीटर तक गिर गए। रियल एस्टेट यूनियन के मुताबिक, जिला 2 में पहले 380 मिलियन तोमान प्रति वर्ग मीटर की कीमत वाले फ्लैट अब 300 मिलियन में बिक रहे हैं। कई पुराने लिस्टिंग महीनों से बिना खरीदार के पड़ी हैं। अब लोग उन इलाकों में किराए पर घर नहीं लेना चाहते जो सेना या सुरक्षा संस्थानों के पास हैं।

लोग क्यों छोड़ रहे हैं तेहरान?

मार्केट विशेषज्ञ मानते हैं कि असली वजह सुरक्षा का डर है। लगातार हमलों और राजधानी के टारगेट बनने की आशंका ने मध्यमवर्गीय और अमीर तबके को अन्य शहरों की ओर धकेला है। इस्फ़हान और कुछ मध्यवर्ती प्रांत अब सेफ ज़ोन माने जा रहे हैं, जहाँ धीरे-धीरे घर खरीदने वालों की दिलचस्पी बढ़ रही है।

उत्तरी ईरान को ज्यादा सेफ मान रहे हैं लोग

राजधानी में पानी-बिजली की किल्लत और अस्थिर माहौल ने कई निवेशकों को मजबूर किया कि वे या तो अपना ठिकाना बदलें या फिर बैकअप के तौर पर किसी दूसरी जगह घर खरीदें। उनके दिमाग में यह साफ था कि राजधानी के बजाय ये उत्तरी इलाके जंग की स्थिति में ज्यादा सुरक्षित रहेंगे। नतीजा यह हुआ कि तेहरान से अब उत्तरी ईरान की ओर रुख कर रहा है। दिलचस्प बात यह है कि यहां का मकान-बाजार पहले से ही लंबे समय से मंदी में था, लेकिन अचानक मांग बढ़ गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सारी और नौशहर जैसे शहरों में विला खरीदने की डिमांड जंग के बाद करीब 25% तक उछल गई है।

'मराठा आरक्षण देने का सही समय, समुदाय का दिल जीतें फडणवीस', मुंबई में आंदोलन से पहले जरांगे बोले

पुणे। कार्यकर्ता मनोज जारंगे ने गुरुवार को कहा कि यह महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के लिए मराठा समुदाय की आरक्षण मांग को स्वीकार कर उनके दिल जीतने का 'सही मौका' है। जरांगे मुंबई में विरोध प्रदर्शन से पहले सैकड़ों समर्थकों के साथ पुणे जिले के शिवनेरी किले की तलहटी पर पहुंचे, जहां उन्होंने यह बयान दिया। उन्होंने यह भी कहा कि मुंबई में केवल एक दिन के प्रदर्शन की अनुमति देकर सरकार ने उन्हें और मराठा समुदाय को अपमानित किया है।

जरांगे बुधवार को जालना जिले के अंतरवाली सराटी गांव से अपने समर्थकों के साथ निकले थे। यह गांव मुंबई से 400 किलोमीटर दूर है। वह एक अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू करने वाले हैं, लेकिन उन्होंने रास्ते में पुणे के पास सरकार के प्रतिनिधियों से मिलने के लिए सहमति जताई है। 43 वर्षीय जरांगे अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी के तहत मराठा समुदाय को 10 फीसदी आरक्षण देने की मांग कर रहे हैं।

शिवनेरी में पत्रकारों से जरांगे ने कहा, मैं एक बार फिर मुख्यमंत्री फडणवीस साहब से अपील करता हूं कि यह उनके लिए मराठा समुदाय के दिल जीतने का सही मौका है। उन्होंने कहा, अगर आप मांगें पूरी करेंगे तो मराठा समुदाय के लोग आपकी आखिरी सांस तक आपको नहीं भूलेंगे। समय अभी खत्म नहीं हुआ है। आप हमारे दुश्मन नहीं हैं। हम आपसे आग्रह करते हैं कि मराठा समुदाय के प्रति सख्त रुख छोड़ दें।

जरांगे ने फडणवीस से कहा कि वे मराठा समुदाय के लोगों को आजाद मैदान जाने से न रोकें। अगर मुख्यमंत्री एक दिन के लिए अनुमति दे सकते हैं, तो वे इसे बदल कर प्रदर्शन की अवधि लंबी करने की अनुमति भी दे सकते हैं। उन्होंने कहा, अगर आप प्रदर्शन के लिए एक दिन की अनुमति दे रहे हैं, तो एक दिन में आरक्षण की मांग भी पूरी करें। केवल एक दिन प्रदर्शन के लिए पर्याप्त नहीं है। हम सरकार से आग्रह करते हैं कि प्रदर्शन के लिए रखी सभी शर्तें वापस लें। जरांगे ने कहा कि केवल एक दिन की अनुमति देकर सरकार ने उन्हें और मराठा समुदाय को अपमानित किया है। उन्होंने कहा, मैं मुख्यमंत्री से अनुरोध करता हूं कि एक दिन के प्रदर्शन या 5,000 प्रदर्शनकारियों की सीमा जैसी कोई शर्त न लगाएं। अब मैं वापस नहीं जाऊंगा, भले ही वे मुझे गोली मारें। जरांगे ने अपने समर्थकों से शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने और उकसावे में न आने की अपील भी की। इससे पहले जालना में जरांगे ने बताया था कि उन्हें मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल का फोन आया था, जिसमें बताया गया कि सरकार की एक टीम उनसे शिवनेरी में बातचीत के लिए पहुंचेगी। हालांकि, मंत्री और मराठा आरक्षण पर बनी मंत्रिमंडलीय समिति के प्रमुख विखे पाटिल ने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार ने जरांगे से बातचीत करने का कोई फैसला नहीं लिया है। जरांगे ने भरोसा दिलाय कि उनके समर्थक शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन करेंगे और गणेश उत्सव में कोई बाधा नहीं डालेंगे।

जरांगे की यह भी मांग है कि सभी मराठाओं को 'कुणबी' जाति के रूप में मान्यता दी जाए। यह एक कृषि आधारित जाति है, जो पहले से ओबीसी में शामिल है। इससे मराठाओं को सरकारी नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण मिल सकेगा।

जालना पुलिस ने जरांगे और उनके समर्थकों को 40 शर्तों के साथ मार्च निकालने की अनुमति दी है। इनमें यह निर्देश भी शामिल हैं कि वे कानून-व्यवस्था न बिगाड़ें, वाहनों की आवाजाही में बाधा न डालें और कोई आपत्तिजनक नारे न लगाएं। मुंबई में के आजाद मैदान थाने के वरिष्ठ निरीक्षक ने जरांगे को एक पत्र लिखकर अनुमति दी है कि वे 29 अगस्त को सुबह नौ बजे से शाम छह बजे तक आजाद मैदान में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर सकते हैं। शाम छह बजे के बाद सभी प्रदर्शनकारियों को स्थल छोड़ना होगा। मुंबई में प्रवेश के बाद वाड़ी बंदर जंक्शन से केवल मुख्य प्रदर्शनकारियों के पांच वाहन ही आजाद मैदान जा सकेंगे और वहां मौजूद प्रदर्शनकारियों की संख्या 5,000 से अधिक नहीं होनी चाहिए।

रेल बोर्ड के अध्यक्ष सतीश कुमार का कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ा, अनुबंध पर दोबारा नियुक्ति को मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार का कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ा दिया गया है। उनका कार्यकाल 31 अगस्त, 2025 को समाप्त होना था।

सरकार के 27 अगस्त के आदेश में कहा गया है, कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने भारतीय रेलवे प्रबंधन सेवा सेवानिवृत्त सतीश कुमार को रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में एक सितंबर, 2025 से एक और वर्ष के लिए अनुबंध आधारित दोबारा नियुक्ति को मंजूरी दी है। यह मौजूदा नियम और शर्तों पर या आगे के आदेश तक होगा, जो भी पहले हो। सतीश कुमार की एक सितंबर, 2024 को हुई प्रारंभिक नियुक्ति ने उन्हें बोर्ड के इतिहास में अनुसूचित जाति वर्ग से आने वाले पहले अध्यक्ष और सीईओ बनाया। अधिकारी बताते हैं कि 1986 बैच के भारतीय रेलवे यांत्रिक इंजीनियर सेवा (आईआरएसएमई) के विशिष्ट अधिकारी कुमार ने अपने 34 वर्षों के शानदार करियर में भारतीय रेलवे के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

उन्होंने मार्च 1988 में भारतीय रेलवे में अपना करियर शुरू किया। तबसे उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों और मंडलों में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं। वह रेलवे प्रणाली में नवाचार, दक्षता और सुरक्षा में सुधार लाए हैं। कुमार ने झांसी मंडल (पूर्व केंद्रीय रेलवे), वाराणसी के डीजल लोकोमोटिव वर्क्स, पूर्वोत्तर रेलवे, पटियाला लोकोमोटिव वर्क्स, लखनऊ मंडल (उत्तर रेलवे), जयपुर मंडल (उत्तर पश्चिम रेलवे) और उत्तर मध्य रेलवे में विभिन्न पदों पर सेवा दी है।

अधिकारी बताते हैं कि सतीश कुमार का एक महत्वपूर्ण योगदान 'फॉग सेफ डिवाइस' पर उनका काम है, जो कोहरे के समय सुरक्षित ट्रेन संचालन सुनिश्चित करने में सहायक साबित हुआ है। अध्यक्ष और सीईओ बनने से पहले कुमार सदस्य (ट्रैक्शन और रोलिंग स्टॉक) के पद पर भी रहे, जो ट्रेन चलाने वाली इंजन प्रणाली और ट्रेन के सभी इंजन और डिब्बों से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों की देखरेख करता है।

बेटी के 16वें जन्मदिन पर सुष्मिता ने लिखा दिल छू लेने वाला नोट, बोलीं– मुझे तुम पर गर्व है शोना

अभिनेत्री सुष्मिता सेन की छोटी बेटी अलीशा सेन आज 16 साल की हो गई हैं। इस मौके पर सुष्मिता ने अपनी बेटी के लिए एक प्यारा सा दिल छू लेने वाला नोट लिखा है और उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। इस दौरान अभिनेत्री ने बेटी के साथ कई तस्वीरें भी साझा की हैं।

बेटी को जन्मदिन की शुभकामनाएं भेजते हुए सुष्मिता ने अपने इंस्टाग्राम पर एक लंबा-चौड़ा पोस्ट किया। इस पोस्ट में एक्ट्रेस ने लिखा, '16वें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं शोना। मैं जानती हूं कि ये सबसे प्यारा जन्मदिन है। मैं पक्षपाती बिल्कुल भी नहीं हूं। बस एक एक खूबसूरत, सहृदय और प्यारी इंसान की मां होने पर गर्व महसूस करती हूं। मैं काफी खुश हूं और इसे बड़ी ही खुशी से देखती हूं।'

मैं तुम्हारी उपलब्धियों को देखकर खुश हूं

अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट में आगे लिखा, 'मैं तुम्हारी सभी उपलब्धियों को खुशी से देखती हूं। मैं जानती हूं कि अभी बहुत कुछ बाकी है। एक शानदार साल तुम्हारा इंतजार कर रहा है मेरी शोना मां। भगवान तुम पर हमेशा अपना आशीर्वाद बनाए रखे। तुम्हारी किस्मत भी तुम्हारी ही तरह खूबसूरत हो। हम सोलहवें साल की शुरुआत स्कूल कैप्टन के रूप में कर रहे हैं।' इसके साथ ही सुष्मिता ने अपनी पोस्ट में बेटी अलीशा की कई तस्वीरें भी शेयर की हैं। इनमें कुछ तस्वीरों में सुष्मिता भी साथ में नजर आ रही हैं। जबकि कुछ तस्वीरें अलीशा की अलग-अलग उम्र की हैं।

दो बेटियों को सुष्मिता ने लिया है गोद

सुष्मिता सेन ने दो बेटियों को गोद लिया है। साल 2000 में उन्होंने रेनी को गोद लिया था। जबकि साल 2010 में अलीशा उनके परिवार का हिस्सा बनी हैं। आज अलीशा 16 साल की हो गई हैं। सुष्मिता अक्सर अपनी बच्चियों के साथ अपनी तस्वीरें साझा करती रहती हैं।

छोटे बाल; क्लीन शेव, नए लुक में दीपिका के साथ बप्पा का आशीर्वाद लेते दिखे 'धुरंधर' रणवीर सिंह

गणेश चतुर्थी का त्योहार बॉलीवुड सितारों के लिए हमेशा खास रहा है। इस बार अंबानी परिवार के एंटीलिया स्थित वार्षिक गणेश पूजा में बॉलीवुड का पावर कपल रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण सुर्खियों में रहा। लंबे समय से अपने गाढ़ी दाढ़ी और लंबे बालों वाले लुक में दिख रहे रणवीर इस बार एकदम अलग अंदाज में नज़र आए। उन्होंने दाढ़ी-मूंछ साफ कर क्लीन-शेव लुक अपनाया, जो उनके आने वाली जासूसी थ्रिलर फिल्म 'धुरंधर' से एकदम हटकर है।

इस बार का गणेश चतुर्थी कपल के लिए और भी मायने रखता है, क्योंकि यह उनकी बेटी दुआ पादुकोण सिंह के जन्म के बाद पहली गणेश चतुर्थी है। दुआ अभी कुछ ही दिनों में अपना पहला जन्मदिन मनाने वाली हैं। गौरतलब है कि दीपिका और रणवीर ने अपनी बेटी की तस्वीरों को सार्वजनिक न करने का फैसला लिया है। हाल ही में एयरपोर्ट पर एक फैन द्वारा चुपके से वीडियो बनाने की कोशिश पर दीपिका ने नाराजगी भी जताई थी।

दीपिका को रणवीर ने बताया था बेस्ट मां

कुछ समय पहले दिए एक इंटरव्यू में रणवीर ने दीपिका के मातृत्व को लेकर भावुक बयान दिया था। उनके मुताबिक, दीपिका अब तक की अपनी जिंदगी के सबसे खूबसूरत दौर से गुजर रही हैं। रणवीर ने कहा था कि वह पूरी तरह अपनी बेटी दुआ पर केंद्रित हो चुकी हैं और उनके जीवन की प्राथमिकताएं अब बदल गई हैं। यहां तक कि कई बार दीपिका अपनी सेहत से ज्यादा बेटी की देखभाल को महत्व देती हैं। रणवीर ने यह भी साझा किया कि दीपिका अक्सर उन्हें पेरेंटिंग से जुड़े वीडियो और रील्स भेजती हैं, जिन्हें देखकर वह खुद भी सीखते रहते हैं।

> इस बार का गणेश चतुर्थी कपल के लिए और भी मायने रखता है, क्योंकि यह उनकी बेटी दुआ पादुकोण सिंह के जन्म के बाद पहली गणेश चतुर्थी है। दुआ अभी कुछ ही दिनों में अपना पहला जन्मदिन मनाने वाली हैं। गौरतलब है कि दीपिका और रणवीर ने अपनी बेटी की तस्वीरों को सार्वजनिक न करने का फैसला लिया है।

दीपिका के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

मातृत्व अवकाश के बाद दीपिका अब दोबारा बड़े पर्दे पर वापसी की तैयारी कर रही हैं। वो जल्द ही एटली की अगली फिल्म में अल्लू अर्जुन के साथ नजर आएंगी। दूसरी ओर रणवीर का मच अवेटेड प्रोजेक्ट 'धुरंधर' 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रहा है।

भीड़ में फंसीं जैकलीन-अवनीत का वीडियो वायरल, लालबागचा राजा के दर्शन करने पहुंची थीं

मुंबई के लालबागचा राजा के दर्शन के लिए पहले दिन से ही सितारों का आना–जाना शुरू हो गया है। अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज और अवनीत कौर पहले ही दिन बप्पा के दर्शन करने पहुंचीं। हालांकि, इस दौरान निकलते वक्त दोनों भीड़ में फंस गईं।

बुधवार को गणेश चतुर्थी का पर्व बड़ी ही धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान सेलेब्स ने भी अपने घर बप्पा का स्वागत किया। साथ ही मुंबई के लोकप्रिय लालबागचा राजा के भी दर्शन करने के लिए पहले ही दिन श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। इसी दौरान बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज और अवनीत कौर भी पहले ही दिन लालबागचा राजा का आशीर्वाद लेने पहुंचीं। लेकिन अब एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है, जिसमें अभिनेत्री दर्शन के बाद पंडाल से बाहर निकलते वक्त भीड़ से संघर्ष करती दिख रही हैं।

सुरक्षा गार्ड ने एक्ट्रेस को भीड़ से बचाते हुए निकाला

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल है। इसमें जैकलीन और अवनीत कौर लालबागचा राजा के दर्शन करने के बाद जब पंडाल से बाहर निकलती हैं, तो उन्हें धार्मिक स्थल पर भीड़भाड़ के कारण मुख्य सड़क पर आने के लिए संघर्ष करते देखा जा सकता है। हालांकि, पंडाल के सुरक्षाकर्मी और स्वयंसेवक उन्हें सुरक्षा प्रदान करते हुए दिखाई दिए, जिन्होंने अभिनेत्रियों को सुरक्षित भीड़ से निकाला। इस दौरान प्रोड्यूसर राघव शर्मा भी उनके साथ नजर आए।

मुस्कुराती दिखीं जैकलीन

भीड़ के कारण जैकलीन और अवनीत को पंडाल से बाहर निकलने के बाद संकरी गली में चलने में कठिनाई हो रही थी। वीडियो में अवनीत कौर और राघव शर्मा को बाहर निकलते समय घबराते हुए देखा जा सकता है। लेकिन ऐसे वक्त में भी जैकलीन फर्नांडीज ने स्थिति को शांति से संभाला और उनके चेहरे पर मुस्कान भी दिखी। वो लोगों का हाथ जोड़कर अभिवादन करती भी दिखीं। हालांकि, वो थोड़ी सी असहज जरूर दिखीं। लेकिन सुरक्षा गार्ड और वहां के स्वयंसेवकों ने सेलेब्स को बिना किसी परेशानी के भीड़ से बचाते हुए वहां से निकाला।

'हाउसफुल 5' में नजर आईं थीं जैकलीन

वर्कफ्रंट की बात करें तो जैकलीन फर्नांडीज आखिरी बार अक्षय कुमार की मल्टीस्टारर फिल्म 'हाउसफुल 5' में नजर आई थीं। फिल्म को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी। एक्ट्रेस की अगली फिल्म अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, संजय दत्त, रवीना टंडन, दिशा पटानी और अन्य के साथ 'वेलकम टू द जंगल' है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com